भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 263 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 17 सितम्बर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

भारी बारिश की वजह से सभी स्कूल-कालेज दो दिनों के लिए बंद, सीएम योगी ने जारी किया आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते प्रदेश भर के सभी स्कूल और कालेज सहित सभी शिक्षण संस्थानों को दो दिन शुक्रवार व शनिवार के लिए बंद करने का आदेश योगी सरकार ने जारी किए हैं। अब तीन दिन बाद सोमवार 20 सितंबर को स्कूल और कालेज खुलेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश को देखते हुए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्यों पर नजर रखें। उन्होंने इस आपदा के वक्त में लोगों से सावधानी बरतने की भी अपील की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा है कि इस आपदा को देखते हुए सभी प्रभावित जिलों में राहत कार्य प्रभावी रूप से कराए जाएं। आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाई जाए। जल जमाव की स्थिति में प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने संबंधित जिलों के अधिकारियों को इस आपदा से हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 17 और 18 सितंबर, 2021 को प्रदेश में सभी स्कूल और कालेजों सहित सभी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं।

भारत की जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत किसी को नहीं

ब्लिंकन के बयान से उपजी गफलत पर सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच एक दूसरे की सैन्य मदद को लेकर तीन तरह के समझौते हैं, दोनों देशों के बीच अफगानिस्तान के हालात को लेकर लगातार विमर्श भी हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत अमेरिका को अपनी धरती का इस्तेमाल अफगानिस्तान के खिलाफ खुलेआम करने देगा।

विदेश मंत्रालय ने इस बारे में भारत का रुख गुरुवार को स्पष्ट किया। इस स्पष्टीकरण की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि दो दिन पहले अमेरिकी संसद में अफगानिस्तान के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने जो बयान दिया था उससे यह संदेश गया था कि भारत और अमेरिका के बीच इस तरह की बातचीत हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची के मुताबिक, 'हमें कोई भी दबाव में नहीं ले सकता। मेरे ख्याल से हम दोनों (भारत व अमेरिका) एक दूसरे पर इस बारे में दबाव नहीं बना सकते। मैं विदेश मंत्री ब्लिंकन के बयान पर कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जैसा मीडिया में बताया जा रहा है वैसा उन्होंने नहीं कहा है। वैसे अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है उसको लेकर हम अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में हैं।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच एक दूसरे की सैन्य मदद को लेकर तीन तरह के समझौते हैं। इसमें यह समझौता भी है कि दोनों देश एक दूसरे के सैन्य ठिकानों का आपसी समझ से इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत को यह बयान इसलिए देना पड़ा क्योंकि गुरुवार को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह खबर आई कि अमेरिका भारतीय ठिकानों से अफगानिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने की सोच रहा है और इस बारे में दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। असलियत में अमेरिकी संसद में सुनवाई के दौरान जब ब्लिंकन से यह पूछा गया था कि क्या अमेरिका भारत के साथ संपर्क में है कि किस तरह अफगानिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाए, तो उनका जबाव था कि मैं बस यह कहना चाहूंगा कि हम भारत के साथ लगातार करीबी स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिकी रिश्तों की पुर्नसमिक्षा करने की बात भी कही थी। बागची ने बताया कि 24 सितंबर, 2021 को अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के प्रमुखों की क्वाड के तहत होने वाली बातचीत से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी इस दौरान अमेरिका पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि अफगानिस्तान से जुड़े सुरक्षा हालात को लेकर दोनों देशों में तब अहम विमर्श होगा।

झूठ का इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर खोल ले भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में व्याप्त अराजकता में भाजपा नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को झूठ का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र खोलना चाहिए। अखिलेश यादव ने गुरुवार को कुछ नेताओं के पार्टी में शामिल होने के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि अगले साल जनवरी से किसानों की आय दुगनी हो जाएगी। इतना बड़ा झूठ भाजपा बोल रही है। जो काम चार साल में नहीं हुआ अब तीन महीने में करने की बात यह लोग कह रहे हैं। भाजपा सरकार अपनी साख खो चुकी है। अखिलेश ने कहा कि जब भाजपा सरकार जाएगी तब ही किसानों के दिन बहुरेंगे। भाजपा के लोगों ने गाय व गंगा दोनों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि उनका गठबंधन चार सौ सीट जीतेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी सरकार ने इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के अनुरूप पूर्वांचल एक्सप्रेसवे बनाने का निर्णय लिया था लेकिन इस सरकार ने एक्सप्रेसवे के मीडियन (डिवाडर) की चौड़ाई कम कर दी।

यूपी में मूसलाधार बारिश ने ढाया कहर, अलग-अलग हादसों में 45 लोगों की मौत, दो दिन स्कूल-कॉलेज बंद रखने का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। पिछले 24 घंटे में 45 लोगों की मौत हो गई है। कई स्थानों पर पेड़-पोल और मकान धराशायी हो गए हैं। इसे देखते हुए यूपी सरकार ने अगले दो दिनों यानी शनिवार तक प्रदेश के सभी स्कूल कॉलेजों को बंद रखने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यालय की ओर से इस बाबत सूचना जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के मौसम में यह बदलाव मध्य प्रदेश व आसपास केन्द्रित कम हवा के दबाव क्षेत्र की वजह से आया है। बीते 24 घंटे से प्रदेश में मानसून सक्रिय है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। इस वजह से तमाम इलाकों में पेड़, खंभे और मकानों की दीवारें गिरने की घटनाएं हुईं। राज्य में बदली

बारिश का यह सिलसिला अलग-अलग इलाकों में 19 सितंबर तक जारी रहने के आसार हैं।

बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने कहर ढा दिया है। गुरुवार को जगह-जगह मकान, दीवार, पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। रेलवे ट्रैक पर ओएचई लाइन टूट जाने से कई ट्रेनों के पहिए थम गए। विमान सेवा बाधित हुई। बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इसमें 45 लोगों की मौत हो गई है। कई घायल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान लखनऊ समेत अवध क्षेत्र में हुआ है। यहां 18 लोगों की जान चली गई। वहीं, प्रयागराज, कौशाम्बी व प्रतापगढ़ में 14, मध्य यूपी व बुंदेलखंड में सात और पूर्वांचल में छह लोगों की मौत हुई है। बाराबंकी में पांच, लखनऊ में तीन मरेः घनघोर बारिश के चलते लखनऊ के मोहिबुल्लापुर स्टेशन पर जलभराव में डूबने से दो बच्चों की और अलीगंज में बिजली का झटका लगने से एक बच्चे की जान चली गई। निगोहा में एक घर, मोहनलालगंज में तहसील की छत समेत आधा दर्जन घरों की दीवारें ढह गईं। लखनऊ का दो तिहाई हिस्सा जलमग्न हो गया। मानकनगर में ट्रैक पर पानी भरने से कानपुर से आने-जाने वाली ट्रेनें उत्तर रेलवे के ट्रैक से गईं। जिले में बिजली का हाहाकार रहा। 52 से अधिक पोल पेड़ गिरने व चार दर्जन से अधिक ट्रांसफर दग गए। बाराबंकी के बसायगपुर मजरा ढेमा, खुशेहटी, महमूदपुर मजरे टिकरा घाट और जेठौती कुर्मियान गांव में दीवार व कच्चे मकान गिरने से पिता-पुत्र समेत पांच लोगों की मौत हो गई है।

बारिश का कहरः मकान गिरने से मासूम समेत छह लोगों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। यूपी में 18 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने कहर मचा रखा है। सेंट्रल यूपी और बुंदेलखंड में 24 घंटे से हो रही बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कारोबार, दफ्तरों में कामकाज प्रभावित रहा। स्कूलों में बच्चे नहीं पहुंचे। तेज हवा के साथ पानी के झोकों से जगह-जगह पेड़ और बिजली के खंभे गिरे। इससे यातायात के साथ बिजली आपूर्ति बाधित हुई। सड़क के गड्ढों में पानी भरने से कई जगह दुपहिया वाहन सवार गिरकर चुटहिल हुए। फतेहपुर में घरगिरी की घटनाओं में मासूम समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दंपति घायल हो गए। बांदा में कच्चा मकान गिरने युवक की मौत हुई। उधर, इटावा में बारिश के दौरान हावड़ा-दिल्ली रेलमार्ग पर पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई, जिससे इटावा जंक्शन समेत आसपास के स्टेशनों पर कई प्रमुख ट्रेने खड़ीं हो गईं।

तबाही मचाने के लिए पुलों और रेल पटरियों को उड़ाने वाले थे आईएसआई प्रशिक्षित आतंकी

पूछताछ में सनसनीखेज जानकारियां दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों ने पूछताछ में सनसनीखेज जानकारियां दी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने इन आतंकियों को बड़े पैमाने पर लोगों की हत्या करने के लिए पुलों और रेलवे पटरियों को उड़ाने के लिए ट्रेनिंग दी थी।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत के थट्टा में आइएसआइ ने संदिग्ध आतंकियों ओसामा और जीशान को प्रशिक्षित किया था। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने भारत में हमलों को अंजाम देने के लिए रेलवे ट्रैक की

रेकी करने का निर्देश दिया था।

आतंकियों से पूछताछ में पता चला है कि ओसामा और जीशान को अधिक यात्रियों वाली ट्रेनों के समय और मार्ग का विवरण हासिल करने के लिए निर्देश दिए गए थे ताकि बम धमाकों में बड़ी संख्या में लोग मारे जाएं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि स्पेशल सेल द्वारा पकड़े जाने पर आतंकियों के कब्जे से 1.5 किलो आरडीएक्स बरामद किया गया था जो बड़े पैमाने पर तबाही मचाने के लिए काफी है। समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड यानी एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की एक टीम अभी भी आतंकियों से पूछताछ कर रही हैं।सूत्रों ने बताया कि पुलिस एक अन्य संदिग्ध आतंकी जान मोहम्मद को खंगाल रही है जिसके डी कंपनी के संचालक होने का संदेह है। उसे दिल्ली जाते वक्त कोटा में गिरफ्तार किया गया था।

महेंद्र सिंह धोनी को मोदी सरकार ने दी खास जिम्मेदारी, रक्षा मंत्रालय की समिति में शामिल हुए पूर्व कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) को लेकर रक्षा मंत्रालय की ओर से गठित 15 सदस्यों वाली कमेटी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी शामिल किया गया है। इसके अलावा इस कमेटी में बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा का भी नाम शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने एनसीसी को पहले से और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए उसकी व्यापक समीक्षा के लिए यह इस कमेट की गठन किया है। रक्षा मंत्रालय की ओर से बनाई गई इस कमेटी में धोनी और आनंद महिंद्रा के अलावा कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन सिंह राठौर, राज्यसभा सदस्य विनय सहस्रबुद्धे, वित्त मंत्रालय में प्रधान आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल और जामिया मिलिया इस्लामिया की

वाइस चांसलर नजमा अख्तर का नाम शामिल है। अन्य सदस्यों में एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति वसुधा कामत, भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय आयोजन सचिव मुकुल कानिटकर, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) आलोक राज, एसआईएस इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा और डाटाबुक के सीईओ आनंद शाह के नाम शामिल हैं।

दूसरे राज्यों में भी बीजेपी लागू करेगी 'गुजरात लैब' से निकला फॉर्मूला, 'नो रिपीट' का बताया फायदा

गांधीनगर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनाव से एक साल पहले गुजरात में ना सिर्फ सरकार का कप्तान बदला बल्कि पूरी टीम नई कर दी है। गुरुवार को नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के 24 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में मुख्यमंत्री परिवर्तन के बाद बनी पूरी सरकार में एक भी पुराने चेहरे को शामिल नहीं करने के क़दम (नो-रिपीट फॉर्मूले) को बीजेपी ने एक नया लोकतांत्रिक प्रयोग करार दिया। बीजेपी पहले भी गुजरात में किए कई प्रयोगों को दूसरे राज्यों में लागू करके राजनीतिक लाभ उठा चुकी है। हालांकि, 'नो रिपीट' फॉर्मूले की सफलता की परख अगले साल चुनाव के बाद ही होगी।

पार्टी ने कहा कि नए नेतृत्व को उभारने वाले इस प्रयोग से देश भर में प्रेरणा ली जा सकती है।

गुजरात भाजपा के प्रभारी और केंद्र सरकार में मंत्री भूपेंद्र यादव ने राज्य के नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल के गठन के बाद पत्रकारों से बातचीत के बाद इसे नया प्रयोग बताया। उन्होंने इस कदम से राज्य के पुराने नेतृत्व और पूर्व मंत्रियों की नाराजगी की बात को खारिज करते हुए दावा किया कि यह एक सर्वसम्मत निर्णय था और उन सबकी शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर और सामने मौजूदगी रही। जो दल स्थिरता और सातत्य यानी कन्सिस्टेन्सी और कांटीन्यूइटी के साथ काम करती है वह नए नेतृत्व को उभारता है। यादव ने कहा कि पुराने नेताओं के अनुभव के साथ नए नेतृत्व वाली सरकार और संगठन में सामंजस्य से काम होता रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा ऐसा प्रयोग पूरे देश में कर सकती है।

कोरोना की तीसरी लहर के लिए अगले तीन महीने बेहद अहम, केंद्र ने दिया राज्यों को तैयार रहने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की तीसरी लहर को लेकर अगल तीन महीने अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर अहम साबित हो सकते हैं। नीति आयोग के सदस्य और टीकाकरण पर गठित टास्क फोर्स के प्रमुख डाक्टर वीके पाल ने इसकी चेतावनी देते हुए राज्यों से इसके लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से इन दो महीने के त्योहारी सीजन के दौरान कोरोना

गाइडलाइन के पालन की अपील की है। डाक्टर वीके पाल के अनुसार भारत में कोरोना की तीसरी लहर को लेकर लगाए गए सभी अनुमानों में अक्टूबर से लेकर दिसंबर के बीच इसके आने की आशंका जताई गई है। उन्होंने कहा कि भले ही देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति बेहतर हुई हो और केरल में भी स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है, लेकिन तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए हमें अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं आने देनी चाहिए।उन्होंने राज्य सरकारों से लेकर नगर निकायों तक को कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर अस्पतालों में पर्याप्त बेड और अन्य तैयारियों को पूरा करने को कहा है। ध्यान देने की बात है कि तैयारी नहीं होने के कारण दूसरी लहर के दौरान देश भर में स्थिति गंभीर हो गई थी। ऐसे स्थिति से बचने और तीसरी लहर के लिए स्वास्थ्य ढांचे को तैयार करने के लिए केंद्र ने 23 हजार करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की थी।

सीवान में समाजवादी जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को गोलियों से भूना, 10 से अधिक अपराधियों ने घेरकर की अंधाधुंध फायरिंग

सीवान (एजेंसी)। बिहार में बेलगाम बदमाशों ने सीवान में फिर दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया है। समाजवादी जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो को गोलियों से छलनी कर दिया। बसंतपुर थाना क्षेत्र के सामपुर बाजार स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय से जानकी नगर जाने वाली सड़क पर गुरुवार की देर शाम वारदात हुई। शेखपुरा निवासी जुल्फिकार अली भुट्टो की हत्या की खबर से खलबली पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। फिलहाल अपराधियों का कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है। बताया जाता है कि जुल्फिकार अली भुट्टो सामपुर बाजार में खड़े थे।

खबर संक्षेप

सहगल फाउंडेशन द्वारा किसानो को दिया गया प्रशिक्षण

करछना। सहगल फाउंडेशन एवम् मोजैक कंपनी द्वारा चलाए जा रहे कृषि ज्योति परियोजन के द्वारा किसानो को प्रशिक्षण का आयोजन किया गया(इस मौके पर विकास खंड करछना के जगौती,बरदहा, भरहा, बहरिया, घटवा, तरौल गांव में सहगल फाउंडेशन के सहयोग से मोजैक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित कृषि ज्योति परियोजना के अंतर्गत ग्राम के लगभग दर्जन भर किसानों को स्प्रे मशीन दिया गया इस मौके पर प्रशिक्षण संस्था के प्रतिनिधि कृषि विशेषज्ञ मोहित शुक्ला के द्वारा जानकारी दिए है।

पिछड़ा मोर्चा आज वृद्धाश्रम में करेगा फलदान

घूरपुर। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर इस वर्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष यमुनापार सुभाष सिंह पटेल अपने सहयोगियों के साथ नैनी के चकदोंदी स्थित आधार शिला वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को फलदान कर मनाएगे। और यशस्वी प्रधानमंत्री की चिरिजिवी होने की मंगल कामना करेगें। उक्त की जानकारी देते हुए मिडिया प्रभारी आर के शर्मा ने बताया कि मोर्चा के कई पदाधिकारी शामिल रहेंगे।

शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने रमेश कुमार द्विवेदी

सहसों। भाजपा गंगापार ने अपने मोर्चा प्रकोष्ठों का गठन करते हुए संगठन में बेहद कर्मठ, इमानदार व निष्पक्ष वादी छवि के रमेश कुमार द्विवेदी को शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बनाया गया। जिससे कार्यकताओं में खुशी की लहर है। इसी संबंध में भाजपा कार्यालय सहसों में गुरुवार को मंडल महामंत्री पवन कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें उन्हें बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया गया। यहां प्रमुख रूप से पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह, शिक्षक शिव प्रकाश तिवारी, मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज, चंद्रेश केसरवानी, राजधर द्विवेदी, जय प्रकाश द्विवेदी, शुभम शुक्ला, सत्यम आदि रहे।

भारी बारिश : मकान ढहने से दो की मौत

- कचारी गांव में बने प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में तैनात थे दोनों गार्ड
- जनपद के कई क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे से लोगों को नहीं मिली बिजली, परेशानी

अखंड भारत संदेश

घटना स्थल पर ढही दो मंजिला इमारत जिसमें दबे दोनो गार्ड व मौके पर जमा भीड़

घटना की सूचना पर रोते बिलखते परिजन

शंकरगढ़। पिछले कई घंटों से लगातार हो रही मूसलाधार बरसात से प्रयागराज सहित सभी समीपवर्ती जनपदों में हाहाकार मचा हुआ है। खेत, खलियान और तालाब लबालब हो गए हैं। यमुनापार में कई नाले, सड़क और पुलिया के ऊपर बह रहे हैं। कई स्थानों पर कच्चे और पक्के दोनों मकानों के गिरने की खबर है।कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी 24 घंटे से ठप है।

बुधवार की रात हुई मूसलाधार बरसात से यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के कचारी गांव में एक दो मंजिला बिल्डिंग भरभरा कर ढह गई। जिसकी चपेट में आने से दो गार्डों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि कचारी गांव में बैंगलोर मिनरल प्राइवेट लिमिटेड की एक बिल्डिंग बनी हुई है। जिसमें लालापुर के सेमरी तरहार गांव के रहने वाले राम कैलाश भारतीय व शिव गुलाम पाल बतौर गार्ड ड्यूटी कर रहे थे। बताया जाता है कि बुधवार की रात उक्त दोनों की ड्यूटी वहाँ पर थी। रात के वक्त बिल्डिंग का आधा हिस्सा ढह गया। मलबे की चपेट में आने से राम कैलाश भारतीय और शिव गुलाम पाल की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों को हुई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मलवा हटाकर दोनों गार्डों के शव को बाहर निकाला और चीरघर भेज दिया।बीते दो दिनों से हो रही लगातार बरसात के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। हमेशा गुलजार रहने वाली बाजारें भी सन्नाटे में हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने जनपद के सभी स्कूलों कक्षा 1 से 8 तक को स्कूल बंद कर दिया है।यमुनापार के बारा, नारीबारी,शंकरगढ़, लोहगरा, शिवराजपुर समेत ग्रामीण इलाकों में भारी बारिश से लोग परेशान दिखे और कल्याणपुर कपारी आदि जगहों में आवागमन प्रभावित रहा।

प्राइवेट कंपनी की लापरवाही से हुई दोनों गार्डों की मौत

लालापुर। मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि उक्त कंपनी के मालकानो ने उक्त जमीन को अधिकृत किया है। जिसमें काफी पेड़ पौधे व बाउंड्री वॉल का काम चल रहा है। जिसकी देखभाल करने के लिए दो गार्डों की नियुक्ति की गई थी ।परंतु इन गार्डों को रहने की कोई भी सुचारू व्यवस्था नहीं की गई वहीं पर मौजूद कई वर्षों पुराना दो मंजिला जर्जर भवन था उसी भवन में इन दोनों गार्डों को रखा गया था। जिसकी आज उन दोनों गार्डों को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा।

तूफानी बारिश से टीनशेड गिरा महिला सहित दो लोग हुए घायल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। कई दिनों से हो रही बारिश से जहां आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है ।वहीं घूरपुर के बोंगी गांव में गुरुवार की सुबह एक टीनशेड गिर जाने से उसके नीचे सो रही एक महिला व उसका देवर बुरी तरह से मलबे में दब घायल हो गए । शोर मचाने पर गांव के लोग दौड़े और बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया है। घूरपुर थाना क्षेत्र के बोंगी गांव निवासी मोहम्मद चांद अपने घर के सामने बने सीमेंट सेड के नीचे अपनी भाभी व अन्य बच्चों के साथ गुरुवार की सुबह आराम कर रहे थे । इसी बीच तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई और भर भराकर सीमेंट सेड गिर गया । जिससे चांद 32 व उनकी भाभी मोनी 35 व कई बच्चे मलबे में दब गए । दबे लोगों की चीखपुकार सुन पड़ोस के दौड़े और मलबे को हटाकर सभी को बाहर निकाला। जहां बच्चे तो बाल बाल बच गए लेकिन मोनी की पीठपर बल्ली गिरने से गहरी चोटें आ गई ।साथ ही चांद भी चोटिल हो गए ।ग्रामीणों ने दोनो को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है । दूसरी घटना बलापुर में बारिश के चलते मकान ढहा। बलापुर ग्राम सभा निवासी पवन विश्वकर्मा का मिट्टी का घर बारिश के सीलन से गुरुवार की सुबह भरभरा कर गिर गया । परिजन बाल बाल बच गए। हजारों रुपयो का सामान पंखा चारपाई ,बक्सा गेहूं ,चावलखाद्य सामग्री, बर्तन, गैस चूल्हा ,आदि दीवार गिरने के चलते क्षतिग्रस्त हो गए भारी नुकसान हो गया।

बारिश से ढही टीन शेड को हटाता युवक

सहसों फाफामऊ मार्ग गड्ढों में तब्दील, बनी ताल तलैया

अखंड भारत संदेश

ताल तलैया में तब्दील सहसों फाफामऊ पुरानी जीटी रोड।

सहसों। लोक निर्माण विभाग प्रयागराज के अधीन पुरानी जीटी रोड वाराणसी से गोल चौराहा सहसों से होते हुए फाफामऊ बाजार को जाती हुई यह सहसों फाफामऊ पुरानी जीटी रोड इस समय अपने हाल पर दशा और दिशा विहीन हो चुकी है। इस रोड पर स्थित ललचहां गांव के सामने बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है सड़क ताल तलैया बन चुकी है। आए दिन राहगीर पैदल दो पहिया चार पहिया भारी वाहन इस रोड पर चलने के लिए सोचते हैं जाएं कि ना जाएं। तकरीबन महीने भर से यह रोड क्षतिग्रस्त है आए दिन रात हो या दिन हो दोपहिया वाहन वाले चोटिल हो रहे हैं तथा पैदल चलने वाले लोग भी इस रोड पर चलने से कतराते हैं। लोगों का आवागमन बाधित हो चुका है। ललचहां गांव के ही कृष्ण चंद पांडे का कहना है कि हम लोग इस संबंध में कई बार लोक निर्माण विभाग एवं जनप्रतिनिधियों से शिकायत भी किया है। परंतु इस रोड पर किसी का ध्यान नहीं हो रहा है। जबकि इस रोड पर बड़े-बड़े नेता एवं विधायक के प्रतिनिधियों का भी घर पड़ता है परंतु मूक दर्शक बने समस्याओं को झेलते हुए आंख बंद कर चले जाते हैं और चले जाते हैं। सड़क की गिट्टियां उधड़ जाने के कारण चोटिल हुए चन्दरपुर उर्फ बसमहुआ गांव के चिंतामणि शुक्ला एवं मेडुआ गांव के अशोक पांडे का कहना है की उधड़ी हुई सड़क की गिट्टियों की वजह से बाइक से चलना दूभर हो गया है। बाइक का टायर फिसल जाने से लोग आए दिन चोटहिल हो रहे हैं हाथ पैर टूट रहे हैं सर में चोटें आ रही हैं। यहां तक कि प्रतिदिन कोई न कोई घायल होकर अस्पताल जाने को मजबूर हो चुका है। परंतु इस मार्ग की तरफ ना तो लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी या उच्च पदस्थ अधिकारियों और न ही क्षेत्रीय विधायक सांसद जन प्रतिनिधियों तथा मंत्रियों किसी का नजर नहीं पड़ रहा है। बेहद अफसोस की बात है कि जनता इन समस्याओं को झेलने पर मजबूर है।

ताल तलैया में तब्दील सहसों फाफामऊ पुरानी जीटी रोड।

बारिश आंधी में चार दुकानों पर गिरा नीम का पेड़ नुकसान

प्रतापपुर। क्षेत्र में दो दिन से हो रही बारिश के कारण वारी में फूलपुर रोड पर नाइ की दुकान, सलीम अंडा की दुकान, सूरज भारतीय एवं मल्लू सिंह की पान की दुकान पर जोकि लकड़ी की गोमती में थी आंधी बारिश के कारण नीम का पेड़ गिर गया जिसके कारण चारों का नुकसान हुआ है ।चारों लोग इसी गोमती की दुकान से अपने परिवार का जीवकोपार्जन करते थे। लेकिन गोमती के उपर नीम का पेड़ गिर जाने से गोमती टूट गई और उसमें रखा सामान सब नष्ट हो गया बारिश के कारण गोमती बंद थी।

दिन रात हुई बारिश से हलाकान हुए लोग

करछना। मंगलवार देररात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला गुरुवार को भी दिनभर जारी रहा। इस दौरान लोगों को बारिश के चलते दिकक्त का सामना करना पड़ा। स्कूली बच्चों और कार्यालयों में काम-काज करने वाले लोगों को स्कूल और आफिस पहुंचने में दिक्कत हुई,वही सड़को पर भी सन्नाटा पसरा रहा। पानी के चलते बाजारों में भी जगह-जगह जलभराव देखने को मिला और दुकानदारों को भी दिक्कतें हुई ।बीते दिनों तक लगभग सूखे मौसम के बाद हुई बारिश से किसानों के चेहरे पर मुस्कान दौड़ पड़ी और धान की फसल में भी रौनक आ गई ।करछना क्षेत्र के किसानों का कहना है कि इस बारिश से खेतों में एक पानी की बचत हो गई और धान की फसल में बालियां आने के समय हुई बारिश काफी फायदेमंद साबित होगी ।साग सब्जियों की फसल पर कुछ बुरा असर जरूर पड़ेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा में मनाया गया हिंदी दिवस समारोह

बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज में हिंदी दिवस का कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गत दिवस हिन्दी दिवस पर बैंक ऑफ बड़ौदा प्रयागराज हाल में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सहायक महा प्रबंधक के०के० कश्यप उप क्षेत्रीय प्रमुख अजय श्रीवास्तव प्रयागराज २ छेत्र से उप क्षेत्रीय प्रमुख ओ एन सिंह तथा बैंक के राजभाषा प्रभारी विनोद बैरवा द्वारा सभी स्टाफ के उपस्थित लोगों को हिन्दी दिवस की शुभ कामनाएं दी।

विद्या वाहिनी के शिक्षक आशुतोष पाण्डेय को हिन्दी दिवस पर किया गया सम्मानित

प्रयागराज। हिंदी दिवस के अवसर पर मधुबन एजूकेशनल बुक्स द्वारा आयोजित (हिन्दी हैं हम) आभाषी (वर्चुअल) कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव संयुक्त निदेशक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली रहे। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी अध्यापन के क्षेत्र में किये गये विशिष्ट योगदान के लिए कई शिक्षकों को सम्मानित किया गया जिसमें विद्या वाहिनी स्कूल के हिन्दी प्राध्यापक आशुतोष पाण्डेय को सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान विद्या वाहिनी स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती नंदिनी वर्मा ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय के शिक्षक को यह सम्मान मिलने से विद्यालय के सभी शिक्षकों में खुशी रही। इस अवसर पर विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल रुची शरद, क्वार्डीनेटर अरविंद श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पदयात्रा निकालकर कांग्रेसजनों ने ग्रामीणों से साझा किये अपने विचार

अखंड भारत संदेश

सहसों। कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं का एक दल गुरुवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा पतुलकी, सुदी का पूरा व तारडीह में पदयात्रा करते हुए घर घर जाकर अपने विचार साझा करते हुए देश व प्रदेश में बढ़ी हुई महंगाई, बिजली की कीमतों तथा बेरोजगारों को रोजगार की अनुपलब्धता किसानों और महिलाओं के उत्पीड़न आज समस्याओं के बारे में ग्राम वासियों से मिलकर उनके विचार साझा किये। उक्त विचार पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कही। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी की नीतियों व रीतियों कार्यक्रमों में कोई अंतर नहीं है। इस मौके पर वरिष्ठ नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कहा कि भाजपा हर मोर्चे पर विफल है इनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है। गांव में स्वच्छ पेयजल का अभाव है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे पानी से भरे हुए हैं जिसके कारण आवागमन तो बाधित है ही तरह-तरह की बीमारियां भी फैल रही हैं। गांव में पीने के पानी की सुचारू रूप से व्यवस्था नहीं है बरसात के कारण पीने का पानी प्रदूषित हो चुका है। इसमें ब्लीचिंग पाउडर डाले जाने की सख्त आवश्यकता है अन्यथा बहुत सारी संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा है। जनता यदि कांग्रेस पार्टी को मजबूती देगी तभी इन सारी समस्याओं का निदान संभव हो सकेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शमशेर बहादुर पटेल, नौशाद अली, मोहम्मद नईम, मोहम्मद खालिद, अमन मिश्रा उर्फ भीम, मनीष श्रीवास्तव, सुरेंद्र यादव, जय सिंह यादव, सज्जन अली, नूरजहां, निशा बानो, जमीला बानो, मनीष श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव आदि लोग शामिल रहे।

न्यूज झरोखा

करछना में यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव के नेतृत्व में सातवें दिन क्रमिक अनशन जारी

अनशन कारियों की तबीयत खराब डाक्टर टीम ने की जांच

करछना। यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जितेंद्र तिवारी की अगुवाई में दर्जनों से अधिक कांग्रेसियों द्वारा करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अपनी पांच सूत्रीय मांगों के पूरा न होने पर आज गुरूवरको बारिश के बीच सातवें दिन भी क्रमिक अनशन पर बैठे रहे ! जिसके अनुसार बीस दिन पूर्व उपजिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडेय को ज्ञापन सौंप कर बाढ़ प्रभावित गांवों के किसानों को फसल की नुकसानी का मुआवजा दिलाने, बेघर हुए लोगों को आवास मुहैया कराने, न्याय पंचायत स्तर पर गौशाला बनवाने, अघोषित बिजली कटौती बंद हो व बिजली के जर्जर तार बदले जाए, अरैल में सड़क निर्माण व लाइट की व्यवस्था के साथ बेंदो पनासा मार्ग व थरी गांव रोड की मरम्मत कार्य की मांग की है! जिसके पूरा ना होने तक अनशनरत रहने की बात कहां है! जिस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रंगराज सिंह, विकास सोनी, दिनेश सोनी, अरुण कुशवाहा, बड़कऊ यादव , आयुष मिश्रा, बनटू यादव , शहजाद उल हक, सोनू सिंह सुरेश पटेल , नागेश पाण्डेय आदि पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे!

रमेशचंद्र केसरवानी व्यापार प्रकोष्ठ, रमामणि पांडेय सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक एवं अच्छे लाल पटेल बने मंडल अध्यक्ष

प्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी गंगापार मे रमेशचंद्र केसरवानी को व्यापार प्रकोष्ठ, रमामणि पांडेय को सहकारिता प्रकोष्ठ का जिला संयोजक एवं युवा नेता अच्छे लाल पटेल को प्रतापपुर मंडल का पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ।रमेश चन्द्र केसरवानी, रमामणि पांडेय एवं अच्छेलाल पटेल ने कहा है कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी प्रदान किया है उसे अच्छे ढंग से निर्वहन करते हुए पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेगें साथ ही जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया ।भाजपा मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, सूर्या यादव, संजय बनकटा, महावीर मिश्रा, जयप्रकाश द्विवेदी, मयंक मिश्रा, उदयवीर प्रजापति, प्रमोद यादव, विनय दुबे, सूरज जायसवाल,अम्बुज पांडेय, गुड्डू मिश्रा ने नए दायित्व के लिए तीनों को बधाई दिया है।

मां सेवा संस्थान ने कुशगढ शिवं मंदिर का कराया सौन्दर्यीकरण

करछना। क्षेत्र की सामाजिक कार्यो में सहभागिता करने वाली संस्था मॉ सेवा संस्थान रोकडी के अध्यक्ष विनायक पंडित अध्यक्ष मॉ सेवा संस्थान के सदस्यों द्वारा गांव के गरीब जनता के बीच कयी अनेकों बार उनकी समस्याओं में मदद करने में संस्थान की ओर से हमेशा हाथ बढाने में अहम भूमिका निभाई है, इसी क्रम में क्षेत्र के प्राचीन शिवं मंदिर कुशगढ में शिवमंदिर का सौन्दर्य करण का कार्य कराया मंदिर की मंदिर की सुन्दरता देख कर भक्तों एवं नागरिकों ने । संस्थान की ओर से किए गए इस कार्य से स्थानीय नागरिकों ने संस्थान के सदस्यों को सराहनीय कार्य पर आभार जताया है ।

विकास पांडेय इलाहाबादी को भाजपा गंगापार संस्कृति प्रकोष्ठ का संयोजक बनाया गया

प्रतापपुर। क्षेत्र के सुप्रसिद्ध गायक विकास पांडेय इलाहाबादी निवासी देवबरा को भारतीय जनता पार्टी संस्कृति प्रकोष्ठ का संयोजक, गायक विकास मिश्रा एवं कवि धनंजय सारस्वत को सहसंयोजक गंगापार का बनाया गया है। पार्टी ने उपरोक्त तीनों पदाधिकारियों से अपेक्षा किया है कि तीनों पदाधिकारी पार्टी एवं सरकार के कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाएंगे और पार्टी को मजबूत करेगें।

भाजपा यमुनापार किसान मोर्चा जसरा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष बने अभिषेक शुक्ला

घूरपुर। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनौतियों का सामना करने के लिए किसान मोर्चा को अलग अलग पदों में बांट कर पार्टी को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसान मोर्चा यमुनापार के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने युवा नेता व समाजसेवी अभिषेक शुक्ला को परसरा जसरा मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा पद सौंपा गया।भाजपा किसान मोर्चा काशी प्रांत के उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा, युवा मोर्चा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय, ,वीरेंद्र शुक्ला निवर्तमान जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा , आर के शर्मा मीडिया प्रमुख भाजपा यमुनापार, अजय द्विवेदी आदि ने बधाई दी।

खबर संक्षेप

मायके से प्रेमी संग फरार हुई विवाहिता पुलिस से शिकायत

घूरपुर। इलाके के एक गांव अपने मायके रक्षा बंधन के समय आई विवाहिता गांव के ही एक युवक के साथ जेवर व नगदी लेकर फरार हो गई । कई दिनों तक परिजनों ने विवाहिता की तलाश की जब नहीं मिली तो आरोपी युवक के खिलाफ भगा ले जाने की लिखित शिकायत की है ।पुलिस मामले की जांच कर रही है। इलाके के एक गांव की युवती का विगत अप्रैल माह में उसके परिजनों ने विवाह किया था। विवाहिता राक्षबन्धन के समय अपने मायके आई हुई थी । बताया जाता है कि रक्षा बंधन के दूसरे दिन ही विवाहिता युवती को गांव का ही एक लड़का भगा ले गया ।परिजनों ने काफी दिनों तक उसकी खोजबीन की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला तो घूरपुर थाने पहुंचकर आरोपी युवक को नामजद करते हुए युवती को भगा ले जाने की लिखित शिकायत की । पुलिस शिकायती पत्र लेकर मामले की जांच में लग गई है।

जीशान को पाकिस्तान में मिली थी आतंकी ट्रेनिंग, अफसरों ने किया खुलासा

अखेंड भारत संदेश

- मोबाइल लैपटॉप से मिल सकते हैं और साथियों के नाम
- पाकिस्तान के थट्टा टेरर कैंप हुई ट्रेनिंग जो जैश काबेस कैंप है

प्रयागराज। आईएसआई के आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के दौरान शहर से गिरफ्तार जीशान कमर के बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। खुफिया एजेंसियों को लीड मिली है कि वह कुख्यात आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के दहशतगर्दों के भी संपर्क में हो सकता है। दरअसल पाकिस्तान के जिस थट्टा टेरर कैंप में उसे ट्रेनिंग दी गई, वह जैश के आर्तकियों का ही बेसकैंप माना जाता है। इस जानकारी के बाद खुफिया एजेंसियों ने उसके तमाम संपर्क माध्यमों पर भी नजर टिका दी है। दरअसल पूछताछ के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अफसरों ने खुलासा किया था कि प्रयागराज से पकड़े गए जीशान और दिल्ली से पकड़े गए ओसामा ने पूछताछ में बताया था कि उन्हें पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी गई। यह भी सामने आया था कि ट्रेनिंग पाकिस्तान के थट्टा टेरर कैंप में दी गई। जिसके बाद आईबी समेत अन्य खुफिया एजेंसियां दोनों के बारे में और अधिक जानकारी जुटाने में लग गईं। जिले में भी खुफिया एजेंसियों इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया। एजेंसियों ने न सिर्फ करेली बल्कि आसपास के अन्य इलाकों में भी गोपनीय तरीके से जानकारी जुटानी शुरू की। इसी दौरान एक चौंकाने वाली बात मिली कि यह भी हो सकता है कि जीशान आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के भी दहशतगर्दों के संपर्क में हो। दरअसल पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित थट्टा जैश के आर्तकियों का सबसे सुरक्षित अड्डा है। वहां एक फार्म हाउस में जीशान और ओसामा को ट्रेनिंग दी गई थी। लेकिन जिस तरह से इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम देने के मॉड्यूल में शामिल संदिग्ध आतंकी अपने काम को बेहद गुपचुप तरीके से अंजाम दे रहे थे, उससे इस बात की भी आशंका है कि आतंकी वारदातों के लिए कुख्यात जैश के आर्तकियों से भी दोनों की मुलाकात कराई गई हो। यह जानकारी मिलने के बाद खुफिया एजेंसियों ने जीशान के संपर्क माध्यमों पर भी नजर टिका दी है। पता लगाया जा रहा है कि उसका डेली रूटीन क्या था। शहर में रहने के दौरान वह कहां जाता था और किससे मिलता था। यहां उससे मिलने के लिए कौन-कौन आता था।

सूत्रों की मानें तो गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाने में लगी खुफिया एजेंसियां जीशान के बिजनेस के बारे में भी एक-एक डिटेल एकत्र कर रही हैं। पता लगा रही हैं कि बिजनेस के सिलसिले में वह किन-किन देशों में गया। यही नहीं देश के किन-किन शहरों में व्यापार के संबंध में उसका आना-जाना था।

सुप्रसिद्ध लोक कलाकारों को भाजपा में मिली संस्कृति प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी

फूलपुर। अपनी गायन प्रतिभा व काव्य पाठ द्वारा सबका मन मोह लेने वाले लोक कलाकारों को भाजपा ने संस्कृति प्रकोष्ठ का संयोजक व सह संयोजक नियुक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं तो जनपद के कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकताओं ने कहा कि भाजपा अपनी संस्कृति और सभ्यता के पायदान के सहारे ही देश को एक नई दशा वह दिशा देने का काम किया है। भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां सबका सम्मान होता है। भोजपुरी गायक विकास मिश्रा को भाजपा द्वारा संस्कृति प्रकोष्ठ का गंगापार जिला सहसंयोजक मनोनीत करने पर स्थानीय कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त रहा। फूलपुर के सावडीह गांव निवासी विकास मिश्रा को उक्त पद मिलने पर कार्यकताओं ने उनके घर पहुंचकर अपनी शुभकामनाएं दीं। वहीं विकास मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष को धन्यवाद ज्ञापित किया। भाजपा गंगापार जिलाध्यक्ष अश्वनी कुमार द्विवेदी ने संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक के रूप में विकास पाण्डेय इलाहाबादी व दूसरे सहसंयोजक के पद पर हास्य कवि धनंजय शास्वत को मनोनीत कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हाईकोर्ट समाचार

हाईकोर्ट में दूसरे दिन भी उपस्थित हुए डीजीपी, मौजूद रहे पुलिस के आला अधिकारी

डीजीपी के पीछे फरियाद लेकर दौड़ा अधिवक्ता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हाईकोर्ट में डीजीपी को उस समय असहज होना पड़ा जब एक अधिवक्ता ने घेर लिया और प्रत्यावेदन देने की कोशिश करने लगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक डीजीपी मुकुल गोयल को गुरुवार उस समय असहज होना पड़ा जब एक अधिवक्ता ने घेर लिया और प्रत्यावेदन देने की कोशिश करने लगा। डीजीपी मैनपुरी की 16 साल की छात्रा के आत्महत्या केस में कोर्ट नंबर 29 में पेश हुए थे। मुकुल गोयल इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई के डेढ़ घंटे बाद कोर्ट रूम से बाहर निकले थे। उसी दौरान ये घटना घटी।

अधिवक्ता ने डीजीपी का रास्ता रोकने की कोशिश की

मुकुल गोयल कोर्ट रूम से जैसे ही बाहर आए पूरा पुलिस महकमा उनके पीछे पीछे लग गया। वह तेजी से लिफ्ट की तरफ बढ़े ही थे कि तब तक पीछे से एक अधिवक्ता ने जोर से आवाज लगाई। डीजीपी साहब मेरे घर पत्थर चल रहा है आप इलाहाबाद हाईकोर्ट से ऐसे कैसे जा सकते हैं। पहले आपको मेरी बात सुननी होगी। अधिवक्ता ने डीजीपी मुकुल गोयल को रोकने का प्रयास किया। इतने में जनपद के सभी अधीनस्थ अधिकारी डीआईजी से लेकर आईजी तक सकते में आ गए। अधिवक्ता को किनारे करने की कोशिश होने लगी, लेकिन वह मुकुल गोयल से बात करने पर अड़े रहे। बार-बार यही कहते रहे कि स्थानीय पुलिस हमारी नहीं सुनती। हमने कई बार आईजी-डीआईजी को आवेदन दिया, लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई।

आपको हमारी बात सुनी ही होगी

आईजी केपी सिंह ने अधिवक्ता को समझाने की कोशिश की पर वह नहीं माने। आईजी को किनारे हटाते हुए अधिवक्ता ने कहा कि आप तो ना ही बोलिए तो अच्छा है। आप क्या सुनेंगे।

डीजीपी को सुननी पड़ी अधिवक्ता की बात

मुझे डीजीपी महोदय से बात करनी है। मुकुल गोयल कोर्ट नंबर 29 के बरामदे में चलते रहे और अधिवक्ता उनके साथ चलते रहे। इस बीच अधिवक्ता को रोकने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन वह नहीं माने। डीजीपी को 1 मिनट खड़े होकर अधिवक्ता की बात सुननी पड़ी।उन्होंने अधिकारियों को अधिवक्ता की बात सुनकर उस पर कार्रवाई का आदेश दिया तब जाकर कहीं अधिवक्ता शांत हुए। इसके बाद डीजीपी अपने अधीनस्थों के साथ इलाहाबाद हाई कोर्ट से बाहर निकल गए।

हाई कोर्ट में जमा रहा पुलिस महकमा

इलाहाबाद हाईकोर्ट के दौरान जिले के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, आईजी केपी सिंह, एसपी क्राइम आशुतोष मिश्रा, एसपी गंगापार व यमुनापार भी मौजूद रहे। डीआईजी व आईजी डीजीपी मुकुल गोयल के साथ कोर्ट रूम के अंदर रहे। अन्य अधीनस्थ अधिकारी कोर्ट रूम के बाहर इंतजार करते रहे। सभी के अंदर यह जानने की उत्सुकता दिखी कि क्या हुआ। अधिकारी पल-पल का अपडेट लेते रहे।

खराब मौसम के बाद भी खचाखच भरा रहा कोर्ट रूम

इलाहाबाद हाई कोर्ट के कोर्ट नंबर 29 में एक्टिंग चीफ जस्टिस भंडारी की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई चल रही थी । खराब मौसम होने के बावजूद कोर्ट के भीतर बिल्कुल भी जगह नहीं थी। 2 दिन से चर्चा में रहे मैनपुरी के केस में सभी के अंदर यह जानने की उत्सुकता रही कि आखिर डीजीपी ने कोर्ट में क्या पक्ष रखा। कोर्ट ने क्या आदेश दिया ।नंबर एक पर रखे गए इस केस में पीआईएल करने वाले महेंद्र प्रताप सिंह ने भी अपना पक्ष रखा। एमिकस क्यूरी इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह भी मौजूद रहे।

शिवकुमार के हत्यारोपियों को हंडिया पुलिस ने किया गिरफ्तार ,भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

हंडिया। जमीनी विवाद को लेकर हंडिया के ऊष्मापुर गांव निवासी अध्यापक की हत्या पड़ोस मे रहने वालो ने बीते 11सितंबर को गाड़ी से कूचलकर कर दी थी। मामले मे पुलिस ने हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हत्या मे प्रयुक्त लाल रंग की टाटा सूमो को पुलिस ने बरामद किया है।

कोतवाली क्षेत्र के ऊष्मापुर गांव निवासी शिवप्रकाश व गुलाब के बीच बीते काफी समय से जमीनी विवाद चल रहा था। मृतक शिवकुमार मेजा स्थित भुस्का गांव मे एक निजी डिग्री कालेज मे अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। रोज की तरह बीते 11 सितंबर को शिवकुमार अपनी बाइक से मेजा के भुस्का गांव जा रहे थे। रास्ते मे टाटा सूमो से कुचलकर

हंडिया पुलिस के गिरफ्त में हत्यारोपी

उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियो की तालाश काफी समय से की जा रही थी। कोतवाल हंडिया ब्रजेश सिंह की अगुवाई मे मुखबिर की सूचना पर जाल बिछाकर हंडिया पुलिस ने बगहा रेलवे क्रासिंग के पास गुलाब 34,शीतला प्रसाद 32 को हत्या मे प्रयुक्त टाटा सूमो सहित गिरफ्तार कर लिया। हंडिया कोतवाल के अनुसार आरोपियो ने हत्या करने की बात कबूल कर ली है। आरोपियो ने बताया कि शिवकुमार के चाचा तुलसी राम की जमीन हम लोगो ने खरीदी थी लेकिन शिवकुमार व उनका परिवार कब्जा नही करने दे रहा था।

गांव के विपक्षियों से मिलकर शिवकुमार लगातार हमलोगो को परेशान करता था। पूर्व योजना के तहत शिवकुमार के महाविद्यालय जाने वाले रास्ते मे हमलोग गाड़ी लेकर खड़े थे । शिवकुमार को आता देख हम लोगो ने पहले सूमो उसके ऊपर चढ़ा दी व गिरने पर गाड़ी से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद दोनो आरोपियो को जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में कोतवाल ब्रजेश सिंह, चालक रमेश मिश्रा, हेड कांस्टेबल हरिशंकर रावत, रिंकु यादव, सचिन कुमार व पुष्पा पाल रहे।

कमेटी की निगरानी में पदभार ग्रहण करेंगी जीजीआईसी कटरा की प्रधानाचार्य

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जीजीआई कटरा की नवनियुक्त प्रधानाचार्य बीना गौतम कमेटी की निगरानी में पदभार ग्रहण करेंगी। इसके लिए उन्होंने डीआईओएस द्वितीय को पत्र लिखा है। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नरेंद्र शर्मा बृहस्पतिवार को जीजीआईसी कटरा पहुंचे थे। जीजीआईसी कटरा में यूपी बोर्ड व्यक्तिगत परीक्षा 2022 का फार्म वितरण का नोडल केंद्र बनाया गया था। फार्म वितरण के दौरान अभ्यर्थियों से 206 रुपये शुल्क की जगह एक हजार रुपये लेने का आरोप लगा था। इस मामले में जांच के बाद प्रधानाचार्य ज्योत्सना सिंह को निलंबित कर दिया गया था।उनकी जगह बीना गौतम को प्रभारी प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया है। बीना गौतम का कहना है कि वह मौखिक तौर पर चार्ज नहीं लेंगी। उन्होंने कमेटी की निगरानी में चार्ज लेने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र लिखा है। बीना गौतम का कहना है कि चार्ज न मिलने से विद्यालय का कार्य सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा है। मिड डे मील, शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यालय संबंधी क ार्यों को करने में दिक्कत आ रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नरेंद्र शर्मा का कहना है कि जल्द ही उन्हें चार्ज ग्रहण कराया जाएगा।

डीआईओएस द्वितीय पहुंचे जीजीआईसी कटरा

जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नरेंद्र शर्मा गुरुवार को जीजीआईसी कटरा पहुंचे। उन्होंने अपने देखरेख में प्रभारी प्रधानाचार्य बीना गौतम को परीक्षा का प्रभार सौंपा। साथ ही यूपी बोर्ड व्यक्तिगत परीक्षा 2022 के लिए भरे गए फार्म, शुल्क और रजिस्टर को सौंपा है। ताकि विद्यार्थियों की ओर से भरे फार्म और शुल्क को समय से जमा कराया जा सके। प्रधानाचार्य बीना गौतम ने बताया कि व्यक्तिगत परीक्षा के लिए चार सौ विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

लापता छात्र को पुलिस ने किया बरामद, परिजनों को सौंपा

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के बसंत का पूरा से एक 13 वर्षीय छात्र घर से कोचिंग के लिए निकला हुआ था, लेकिन वह दोबारा अपने घर पर लौट कर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने गुरुवार को तहरीर देकर उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट नैनी कोतवाली में दर्ज करा दिया। पुलिस ने महज दो घंटे के अंदर ही लापता छात्र को सकुशल बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिए। जानकारी के मुताबिक सोनभद्र के राबर्ट्सगंज के रहने वाले सुमंत कुमार (काल्पनिक नाम) परिवार सहित नैनी कोतवाली क्षेत्र के बसंत का पूरा महमईया नाथ में कमरा किराए पर लेकर परिवार समेत रहते हैं। उनका 13 वर्षीय बेटा बुधवार दोपहर में राजीव गांधी कंप्यूटर कोचिंग सेंटर में पढ़ने के लिए घर से निकला हुआ था, लेकिन देर शाम तक वह अपने घर पर जब लौटकर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता सताने लगी। इस दौरान परिजनों ने उसकी हर उस स्थान पर खोजबीन की, जहां पर उसके मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उसका कोई भी सुराग नहीं मिला। गुरुवार को परिजन नैनी कोतवाली पहुंचे और तहरीर देकर बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में नैनी कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी सुशील कुमार दुबे व कांस्टेबल अजीत प्रजापति ने लापता छात्र के खोजबीन करने में जुट गए। गठित पुलिस टीम नैनी रेलवे स्टेशन पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज को खंगालने लगी। तभी पुलिस को सूचना मिली कि लापता छात्र स्टेशन के समीप मौजूद है। आनन-फानन में पुलिस टीम पहुंची और उक्त छात्र को बरामद करते हुए नैनी कोतवाली लेकर चली आई। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि 13 वर्षीय छात्र घर से कोचिंग के लिए निकला हुआ था, लेकिन वह मैहर धाम चला गया था। पुलिस टीम खोजबीन करने में जुटी हुई थी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्टेशन के समीप ही उसे सकुशल बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया।

करछना थाने के बगल चोरो ने पार की बाइक

करछना। क्षेत्र में इन दिनों मोटर साइकिल चोरो का गिरोह सक्रिय है। बीते सप्ताह करछना बैंक के गेट पर खड़ी मोटर साइकिल गायब हो गई थी। इसके बाद बुधवार रात करछना मंदिर तिराहे के समीप घर के पास खड़ी राहुल चौरसिया की मोटरसाइकिल को पार कर दिया। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से लोगों में दहशत व्याप्त है। स्थानीय लोग काफी चर्चा करते देखते रहे हैं। चोरी की घटना से लोगों का आक्रोश बढता जा रहा है। उधर काफी हाथ पांव मारने के बाद चोर चोरी में सक्रिय है और पुलिस को धता पढाकर चोरी की घटनाओं को अंजमा दे रहे है। इससे स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी है।

मेजा पुलिस दो नफर वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा। मेजा क्षेत्र मे लूट, चोरी एवं छिनैती की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस उच्चाधिकारियों द्वारा कोतवाल मेजा अरुण चतुवेर्दी को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम मे मेजा थाने की गठित टीम चौकी प्रभारी मेजारोड पंकज कुमार त्रिपाठी, कां. जयसिंह व कां. सुरेश कुमार के द्वारा थाना क्षेत्र के उरुवा चौराहे से दो नफर वांछित अभियुक्त अंकित शुक्ला पुत्र हरि गोविंद शुक्ला निवासी भवानीपुर थाना औराई जनपद भदोही व अनुभव तिवारी पुत्र सतीश तिवारी निवासी पांती (सोरांव) मेजारोड को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के खिलाफ थाना मेजा में अभियोग पंजीकृत है, जिनको जेल भेज दिया गया।

पुलिस की गिरफ्त में दो वांछत अभियुक्त

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

नैनी। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिए। बता दें कि नैनी, ददरी निवासी बुद्धिमान कनौजिया पुत्र कमलेश कनौजिया के खिलाफ नैनी कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 502/ 21 धारा 363, 366 व 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वह पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा था। गुरुवार को इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह के निर्देशन में उप निरीक्षक सुशील कुमार व कांस्टेबल बेचन सिंह ने उक्त आरोपी को जरिए मुखबिर की सटीक सूचना पर नारायण पैलेस के समीप गिरफ्तार कर लिए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी बुद्धिमान कनौजिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिए।

पुलिस की गिरफ्त में वाछित

चोरी के आरोप में दो वांछितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उतरांव। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर महरूपुर पुलिया से चोरी के मुकदमे में चल रहे दो वांछितअभियुक्तों को उतरांव पुलिस ने दबोच लिया। थाना अध्यक्ष उतरांव धीरेंद्र सिंह मय फोर्स दिनांक 16-9-2021को क्षेत्र के महरुपुर पुलिया के पास दो वांछित अभियुक्त नागेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय राम सेवक भारतीय व अनुज पुत्र तीरथ लाल निवासी माधोराम का पूरा थाना उतरांव प्रयागराज को दबोच लिया पुलिस के द्वारा दो मोटरसाइकिल चोरी की व ?150 नगद के साथ वही पुलिस ने मोटर साइकिल का नंबर मिलान किया तो थाना हाजा पर दिनांक 15-9-2021 को धारा 379 मुकदमा पंजीकृत था दिनांक 16-9-2021 पुलिस ने बरामदगी के आधार पर धारा 411 की बढ़ोत्तरी कर अभियुक्तगण को न्यायालय के लिए चालान कर दिया ।गिरफ्तारी टीम में मुख्य रूप से थानाध्यक्ष उतराव धीरेंद्र सिंह,उपनिरीक्षक पंकज भास्कर,उप निरीक्षक गौरव तिवारी व कांस्टेबल भानु प्रताप शुक्ला, आरिफ खान, संजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, राजीव सिंह, आदि रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित हुई क्विज प्रतियोगिता

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत क्विज प्रतियोगिता में भाग लेते बच्च

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा का संरक्षण व आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला गंगा समिति एवम् नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज व पंचायती राज विभाग द्वारा ब्लॉक चाका के गंगा ग्राम सभा पिपराओं में प्राथमिक विद्यालय में गोष्ठी , क्विज प्रतियोगिता, शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया 'चाका प्रखंड सचिव रोहित भारतीय,ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दिग्विजय पांडेय, ग्राम प्रधान पार्वती राजेश निषाद ,राजेश कुमार निषाद, एनवाईकेएस निर्मल कांत पांडे मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन निर्मल कांत पांडे द्वारा किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने गंगा प्रदूषण से बचाव संरक्षण व हिंदी दिवस के महत्व पर अपने विचार प्रकट किए। सभी छात्रों ने क्विज प्रतियोगिता में उत्साह के साथ प्रतिभाग किया एवं चाका प्रखंड सचिव रोहित भारतीय द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।निर्मल कांत पांडे नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज द्वारा सभी बच्चों को आजादी का अमृत महोत्सव, हिंदी दिवस गंगा साफ सफाई हेतु जागरूक किया गया । साथ में ,'रग रग में गंगा' कार्यक्रम देखने हेतु प्रोत्साहित किया। गंगा स्वच्छता शपथ के साथ कार्यक्रम कार्यक्रम का समापन किया गया।

अमृत महोत्सव के रूप में मना गंगा चौपाल

मेजा रोड। नमामि गंगे के अंतर्गत प्रयागराज जिला गंगा समिति के तत्वाधान में पंचायतीराज विभाग द्वारा गंगा ग्राम की दस न्याय पंचायतों में गंगा चौपाल का आयोजन गंगा संरक्षण हेतु आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया गया। प्रयागराज में सुबह से लगातार बारिश व मौसम खराब होने पर चौखटा नरवर के प्राथमिक विद्यालय में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे प्रमुख रूप से ब्लॉक से एडीओ पंचायत सुदामाराम गावड़े, खंड प्रेरक अभितेश, सचिव धर्मेंद्र कुमार सिंह सम्मलित हुए, गंगा समिति के सदस्य राजेश शर्मा नमामि गंगे की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ,मुख्य अतिथि ग्राम सभा के वरिष्ठ नागरिक के रूप में मानवेन्द्र सिंह संरक्षक क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश रहे,ग्राम प्रधान मंगला पाल ने संचालन किया, मुख्य वक्ता वेदानंद मिश्रा ने गंगा की महत्ता को धार्मिक पौराणिक तथा वैज्ञानिक आधार पर ग्रामीणों को जानकारी दी,तनु शुक्ला ने गंगा जी की गीत प्रस्तुत किया,इस अवसर पर राजेश शर्मा ने सभी को गंगा स्वच्छ बनाए रखने में गंगा स्वच्छता का संकल्प कराया, जिसमे प्रतिभा अवस्थी ध्यान सिंह बबलू सिंह जज्जे सिंह अखिलेश सिंह अनिल सिंह शशि कांत पांडेय रमा शंकर पाल आदि सैकड़ों गंगा के तटीय लोग सम्मलित हुए।

अमृत महोत्सव में चौपाल कार्यक्रम करते

पुलिस उप निरीक्षक पद पर सीधी भर्ती में चयनितों को प्रशिक्षण काल में अवकाश का वेतन पाने का हक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस उप निरीक्षक पद पर चयनित उन अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अवधि के स्टाइपेंड के साथ अवकाश कालीन वेतन पाने का भी हक है। जो पहले से पुलिस में कांस्टेबल थे। कोर्ट ने उन्हें शासनादेश का लाभ देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 16 सितंबर 65 के शासनादेश एवं 3 नवंबर 79 के सर्कुलर के मुताबिक सीधी भर्ती से उप निरीक्षक बने कांस्टेबलों को प्रशिक्षण काल में छुट्टी का वेतन पाने का अधिकार है। ऐसा इसलिए किया गया कि उप निरीक्षक पद पर चयन के बाद आरक्षी इस्तीफा दे देते थे। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियुक्त होते थे। शासनादेश से इस्तीफा न स्वीकार कर प्रशिक्षण के लिए कार्यमुक्त करने की व्यवस्था की गई और कहा गया कि प्रशिक्षण अवधि को छुट्टी माना जाए। मगर विभाग ने वेतन देने से इंकार कर दिया। जिसे चुनौती दी गई और एकलपीठ ने याचिका खारिज कर दी। इस आदेश को विशेष अपील में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने एकल पीठ के 15 नवंबर 19 के फैसले को रद्द कर दिया है। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएन भंडारी तथा न्यायमूर्ति एके ओझा की खंडपीठ ने आलोक कुमार सिंह व अन्य की अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। अपील पर अधिवक्ता आलोक मिश्रा ने बहस की। याची का कहना था कि आरक्षी रहते हुए उप निरीक्षक भर्ती में अर्जी दी और सफल घोषित किया गया। उसे प्रशिक्षण पर भेजा गया। किंतु स्टाइपेंड का ही भुगतान किया गया। याची ने 1965 के शासनादेश व 1979 के सर्कुलर के आधार पर प्रशिक्षण अवधि को छुट्टी मानते हुए इस अवधि का वेतन देने की मांग की। इसे नियम 157 ए (4) के तहत असामान्य अवकाश माना जाएगा। पुलिस विभाग ने सीधी भर्ती में चयनित होने के कारण प्रशिक्षण काल का वेतन देने से इंकार कर दिया था। जिसे कोर्ट ने सही नहीं माना।

भारी वर्षा से घर गिरे, दो की मौत, जीवन अस्त-व्यस्त

जिला अस्पताल के वार्डों में घुसा पानी, डीएलएड परीक्षार्थी हुए परेशान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विगत 40 घंटे से लगातार हो रही वर्षा से पूरा शहर जहां पानी-पानी हो गया, वहीं गोडे गांव में एक कोटेदार का मकान बगल के घर पर गिर जाने से अपनी बहन के घर आए एक नवयुवक की दर्दनाक मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गये। 18 वर्षीय मृतक रमजान निवासी रेड़ी जेठवारा का है। वह अपनी बहन चांदनी के घर गोडे ग़ांव आया था। उसकी मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मचा हुआ है। घायलों में चांदनी, उसका पति रोशन तथा उसकी तीन वर्ष की लड़की जैनब को उपचार के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उधर बाबा बेलखरनाथ धाम में बरसात में कच्ची बखरी गिरने से दबकर अधेड़ महिला की मौत हो गई। मृतक उर्मिला मिश्रा (55) वर्ष पत्नी बुद्धिनाथ मिश्रा बीती रात कच्चे मकान में सो रही थी तभी लगभग रात्रि साढे तीन बजे भर-भराकर पूरा कच्चा मकान गिर पड़ा जिसमे अधेड़ महिला की दबकर मौत हो गई। इसके अलावा जिले के विभिन्न मार्गों पर पेड़ गिरे हैं जिससे आवागमन बाधित हुआ है। जिले में कुल 168 मिमी औसत बरसात हुई। 24 घंटे के भीतर सदर में 200, पट्टी 178, कुंडा 175, लालगंज 165, रानीगंज 122 मिमी वर्षा हुई है। भारी वर्षा से राजकीय इंटर कालेज परिसर तालाब दिर्खा दे रहा था। यहां डीएलएड की परीक्षा हो रही है। परीक्षार्थियों को पानी में घुसकर कालेज के भवन में जाकर परीक्षा देनी पड़ी। सबसे बुरी हालत राजकीय मेडिकल कालेज से सम्बद्ध जिला चिकित्सालय की थी जहां चिकित्सालय जलमग्न दिखाई दे रहा था। इमरजेंसी के सामने जहां जलभराव दिखाई दे रहा था, वहीं सर्जिकल वार्ड में पानी घुस गया था। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, तिलक इंटर कालेज में भारी जलभराव दिखाई दिया। सड़कों पर कुछ ही देर में पानी साफ हो गया। नाले-नालियों की सफाई होने से नाले से शहर का पानी बाहर निकल गया। कहीं-कहीं अवरोध था, वहीं पर जलभराव की स्थिति आई। जिलाधिकारी के आदेश से कक्षा-1 से 8 तक के सभी स्कूल बंद थे लेकिन इंटर कालेज व डिग्री कालेज में छात्र-छात्राएं बहुत कम आए। लगातार वर्षा बुधवार को भोर में तीन बजे शुरु हुई थी, तो गुरुवार की शाम तक होती रही। बीच-बीच में वर्षा कम हुई लेकिन जब लोग बाहर निकले तो फिर पानी तेज हो गया। यह क्रम शाम तक चलता रहा। शहर व जिले के बाजारों में दुकानें खुली लेकिन वर्षा के कारण ग्राहक बहुत कम आए।

कच्चे मकान के ढहने से तीन बकरियां मरी, महिला घायल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लगातार बारिश के चलते कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। घटना मे मकान मे बंधी पांच बकरियों मे से तीन ने दम तोड दिया। वहीं एक महिला को गंभीर चोटें भी आई है। उदयपुर थाना के आमीशंकरपुर निवासी मोतीलाल प्रजापति अपनी पत्नी रिंकी तथा मां उर्मिला के साथ बीती बुधवार की रात घर मे सो रहा था। मकान के बरामदे मे एक किनारे पांच बकरियां बंधी हुई थी। देर रात करीब एक बजे मकान का बाहरी हिस्सा ढह गया। इसके चलते तीन बकरियों की मौत हो गयी। जबकि मोती लाल की मां उर्मिला भी गंभीर रूप से घायल हो गयी। आननफानन मे लोगों ने उर्मिला को इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी पहुंचवाया।

आधा दर्जन गांव हुए जलमग्न, पेड़ गिरने से आवागमन बाधित

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते सारा जनजीवन अस्त ब्यस्त हो गया है। गाव के आने जाने वाले रास्ते मे लबालब पानी भर गया है। बारिश का पानी गाव के साथ लोगों के घरों में घुस गया है। बारिश के कहर को देखते हुए परियावां के समाज सेवी मोबीन अहमद ने अपने सहयोगी ननकऊ सोनकर, तारिक फारूकी, चन्दे सोनकर, वसीम अहमद के साथ गड़रियन का पुरवा ईदगाह, पम्पापुर, सेखका पुरवा गांव के पानी निकासी के लिए मिट्टी से बन्द पड़ी पुलिया को साफ कराया। पुलिया की सफाई हो जाने से आसपास के गाव का पानी परियावां 35 सी रेलवे फाटक से सटे नाले से निकलने लगा। बारिश के कहर का कुंडा तहसील शासन प्रशासन पर कोई फर्क नही पड़ रहा है पानी से लबालब भरे गाव में जाना मुनासिब नही समझ रहे है जिससे बारिश से गाव के पानी निकासी की हकीकत देख सके। बारिश के कहर के चलते ग्राम पंचायत गौरी के मुराइन का पुरवा में बंशी, रामफेर, व छोटे लाल का कच्चा मकान धराशाई हो गया जिससे खुली छत के नीचे अपना गुजर बसर करने को मजबूर हो रहे है। उधर प्रयागराज-लखनऊ नेशनल हाइवे पर लगातार हो रही बारिश के चलते नवाबगंज थाना के सामने बबूल का पेड़ सड़क पर गिर जाने से व बॉर्डर सीमा सबीसपुर गाव के सामने सड़क पर मोटा भारी भरकम पेड़ के गिरने से आवागमन बाधित हो गया जिससे दोनों तरह छोटे बड़े वाहनों की लम्बी कतार लग गई।

पेड़ गिरने से पट्टी ढकवा मार्ग बाधित, घर हुए जलमग्न

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दो दिन से लगातार हो रही बारिश से और तेज हवा चलने के कारण गुरुवार की सुबह सदहा और अमरगढ़ के बीच में एक विशालकाय पेड़ गिरने के कारण मार्ग बाधित हो गया। रात से ही बारिश होने के कारण राहगीर अपना राह बदल कर दूसरे रास्ते से निकलते हुए दिखाई दिए तो वहीं थोड़ी देर बाद प्रशासन ने जेसीबी मंगवा कर रास्ते से पेड़ को हटवाया तब आवागमन फिर से प्रारंभ हो सका। उधर आसपुर देवसरा ब्लाक क्षेत्र के कई गांव में बरसात का पानी घरों में घुस गया है। बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बरसात ने ग्रामीणों का जीवन अस्त व्यत कर दिया। पूरे दलपतशाह गांव में समुचित जल निकासी ना होने के कारण लोगों की घरों के अंदर बरसात का पानी प्रवेश कर गया है। उधर पट्टी मेला ग्राउंड हुआ पुनः जल मग्न हो गया है। रात्रि में हुई बारिश के कारण पट्टी मेला ग्राउंड में रहने वाले लोगों के घरों में पानी घुस गया है जिससे मेला ग्राउंड वासियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उधर पन्नालाल सीएचसी परिसर में भी जलभराव रहा।

दहेज के लिये बेटी को मार डालने का आरोप

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना के लक्ष्मीगंज बाजार में विवाहिता की मौत को लेकर मृतका के परिजनों ने एसपी आफिस में शिकायती पत्र दिया।

परिजनों का आरोप है कि दहेज के लिये बेटी को मार डाला गया है। ससुरालियों ने दहेज के लिये अपनी बहू को जहर देकर मारा है। बता दें कि 13 सितम्बर को विवाहिता की मौत हुई थी। विवाहिता सीमा जायसवाल का 11 साल पहले राजकुमार से विवाह हुआ था और सात वर्ष पहले कोर्ट से विदाई हुई थी। परिजनों ने जेठवारा पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का भी आरोप लगाया है।

रामलीला मैदान के अण्डरपास पर जेसीबी लगाकर खुलवाया पानी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारी वर्षा में नगर पालिका के 50 कर्मचारी नाले-नालियों से पन्नी निकाल रहे थे जिससे वर्षा का पानी बह जाए। जलभराव की ज्यादा समस्या रामलीला मैदान में अण्डरपास में आई रुकावट से हुई थी जिस पर नगर पालिका ने जेसीबी लगाकर रास्ता साफ किया, तब जाकर अण्डर पास का रास्ता खुला और पड़ाव वार्ड व धर्मशाला वार्ड में जलभराव भी खत्म हुआ।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि अण्डर पास में जाम होने का प्रभाव पड़ाव वार्ड व धर्मशाला वार्ड के क्षेत्र में जल निकासी पर पड़ रहा था लेकिन गुरुवार को जेसीबी लगाकर अण्डरपास का रास्ता साफ करने से स्थिति का संभाला गया। सफाई निरीक्षक ने यह भी दावा किया कि भारी वर्षा से शहर का अधिकांश पानी नाले-नालियों से बह गया है। इसका मुख्य कारण है कि नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के मार्ग दर्शन से नगर के अधिकांश नाले-नालियों की लगातार सफाई हो रही है जिससे जलभराव की समस्या कम हुई है।

डेंगू के खिलाफ जंग कैसे लड़ेगा जलमग्न अस्पताल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। जिस महकमे के ऊपर लोगों की सेहत को सुधारने की जिम्मेदारी है उस पन्नालाल सीएचसी परिसर में दो दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण परिसर पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है जिससे मरीजों के साथ तीमारदारों और कोविड-19 का टीका लगवाने वाले लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अस्पताल प्रशासन नगर पंचायत पर तो नगर पंचायत अस्पताल प्रशासन पर ठीकरा फोड़ रहा है। सभी अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं वही अस्पताल की इस दुर्दशा से मरीज परेशान है।

चार लोग डेंगू के प्रकोप से एसआरएन में भर्ती

कोविड-19 से बचाव के लिए जूझ रहे लोगो के लिए एक नई आफत डेंगू बीमारी बनकर उभरी है। जल जनित बीमारी डेंगू का इस समय प्रकोप धीरे धीरे बढ़ता जा रहा है। पट्टी तहसील क्षेत्र के आसपुर देवसरा में 4 मरीज डेंगू के पाए गए जिन्हें प्रयागराज स्थित अस्पताल में एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य महकमा लगातार लोगों को अपने विज्ञापनों और प्रचार-प्रसार के माध्यम से यह बात बता रहा है कि जलजमाव नहीं होना चाहिए लेकिन अस्पताल परिसर में हुए जलजमाव को देखने के बाद ऐसा लगता है कि यह सब स्वास्थ्य महकमे के नाक के नीचे ही हो रहा है तो आखिर कैसे लोगों को जागरूक करने का काम महकमा करेगा। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर नीरज सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि अस्पताल परिसर में जलजमाव की समस्या पहले थी आज भी विद्यमान है इसके संबंध में नगर पंचायत के अधिशासी अभियंता से हमने शिकायत किया था लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं की गई वही नगर पंचायत के अधिशासी अभियंता से संपर्क करने पर पता चला कि अस्पताल परिसर में बनी हुई नाली काफी ऊंचाई पर है जिसके कारण पानी सुचारु रुप से निकल नहीं पाता है जिसमें अस्पताल प्रशासन सहयोग नहीं कर रहा है जिसके कारण समस्या बनी हुई है।

छात्रा की आकस्मिक मौत से मचा कोहराम

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां रेलवे फाटक के समीप निवासी गुरुसेवक गुप्ता की 22 वर्षीय पुत्री रेनू गुप्ता जो मानिकपुर में ज्वाला देवी महाविद्यालय की बीए फाइनल की छात्रा है, गुरुवार की सुबह अचानक लगभग नौ बजे हालत खराब हो गईं जिसे सरकारी एम्बुलेंस बुलाकर भेजा गया, जहां सीएससी कालाकांकर में चिकित्सकों ने जवाब दे दिया तो उसे तत्काल एम्बुलेंस से जिला मुख्यालय भेज दिया गया, जहाँ उपचार के दौरान रेनू की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। देर शाम रेनू का शव घर पहुचने पर चीख पुकार मच गई। परिजनों को सांत्वना देने वालो का तांता लगा रहा। मौत का कारण पता नही चल सका कि आखिर ये सब कैसे हो गया। परिजन लोग भी हैरत में है, जिसका अंतिम संस्कार शुक्रवार को गंगातट किनारे किया जाएगा।

हाईस्कूल एवं इण्टर अंक सुधार परीक्षा को सकुशल एवं नकलविहीन सम्पन्न कराएंः डीएम

हाईस्कूल एवं इण्टर अंक सुधार परीक्षा के सम्बन्ध में डीएम ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कार्यालय के सभागार में माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा 18 सितम्बर से 06 अक्टूबर के मध्य हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट अंक सुधार परीक्षा के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) शत्रोहन वैश्य, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, जोनल मजिस्टेªट, सेक्टर मजिस्टेªट, स्टैटिक मजिस्टेªट, केन्द्र व्यवस्थापक के साथ बैठक की गयी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद में कुल 17 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जिसमें हाईस्कूल के 322 तथा इण्टरमीडिएट के 406 परीक्षार्थी सम्मिलित होगें, यह परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली प्रातः आठ बजे से पूर्वान्ह सवा दस बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह दो बजे से अपरान्ह सवा चार बजे तक आयोजित होगी। जिलाधिकारी ने परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये कहा कि समस्त केन्द्र व्यवस्थापक एवं अन्य अधिकारी बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुये सकुशल एवं नकलविहीन परीक्षा कराना सुनिश्चित करेंगे।

विकास खण्डों में गरीब कल्याण मेला का होगा आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद के समस्त विकास खण्डों में 25 सितम्बर को आयोजित होने वाले गरीब कल्याण मेला के सम्बन्ध में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास खण्डों में आयोजित होने वाले गरीब कल्याण मेला में जनसामान्य को राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनओं की जानकारी उपलब्ध कराएं।

अधिवक्ताओं की सुरक्षा के प्रति सरकार व प्रशासन गैरजिम्मेदार

लालगंज, प्रतापगढ़। विधानसभा के मानसून सत्र के अवसान की घोषणा पर भी यूपी सरकार द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक पेश न किये जाने को वकीलों ने वादाखिलाफी ठहराया है। गुरूवार को यहां तहसील परिसर मे हुई रूरल बार एसोशिएसन की बैठक मे अधिक्ताओं ने मांग को लेकर संघर्ष छेडे जाने की रणनीतिक चर्चा की। आये दिन प्राणघातक हमले हो रहे है। उन्होने जिले मे पट्टी बार एसोशिएसन के अध्यक्ष तथा कुण्डा मे एक वरिष्ठ अधिवक्ता के पुत्र पर हाल ही मे हुए प्राणघातक हमले का भी उदाहरण रखते हुए कहा कि प्रशासन एवं सरकार की उदासीनता से अधिवक्ता समुदाय सुरक्षित नही है। बैठक की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन महासचिव हरिशंकर द्विवेदी ने किया। इस मौके पर मो. ईसा, रमेश पाण्डेय, शिव नारायण शुक्ल, राजेश तिवारी, शैलेन्द्र मिश्र, रामअभिलाष यादव आदि रहे।

लगातार बारिश से खुली प्रशासनिक पोल, मालखाने तक घुसा पानी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बुधवार की सुबह से लगातार हो रही दो दिन की बारिश ने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रो मे प्रशासनिक व्यवस्था की कलई खोल कर रख दी है। तहसील परिसर हो या फिर कोतवाली अथवा सीएचसी सभी संस्थान बरसात के चलते तालाब मे तब्दील हो गये है।

कोतवाली का हाल तो सबसे ज्यादा बेहाल दिख रहा है। यहां बरसात का पानी कोतवाली गेट से लेकर अंदर कार्यालय तक गांठ भर पानी मे दिख रहा है। हालत इस कदर बद से बदतर है कि मालखाने तक मे पानी भरा हुआ है। इसके चलते कोतवाली के अंदर जहरीले जीव जन्तुओं

सार्वजनिक संस्थानों मे जलजमाव से लोग हलाकान

को लेकर भी महकमे के साथ आम फरियादी भयभीत नजर आ रहे है। कोतवाली के भोजनालय तक मे जलजमाव के कारण पुलिसकर्मियों को दो जून की रोटी के लिए भी बाहर का सहारा लेना पड़ रहा है। फरियादी भी जहरीले जीव जन्तुओं के डर तथा लबालब भरे परिसर मे आसानी से जाने को तैयार नही है। मजबूरी के चलते जरूर एक मुंशी कार्यालय के अंदर कुर्सी के ऊपर किसी तरह फर्ज का निर्वहन करते देखा जा रहा है। यहीं नही बगल स्थित सीओ कार्यालय के सामने भी बरसात का पानी व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रहा है। नेशनल हाइवे की तहसील का भी हाल बारिश ने बदहाल कर रखा है। तहसील परिसर मे भी जलभराव होने से वकील तथा वादकारी व कर्मचारी हैरान व परेशान है। दो दिनों की बारिश के चलते अधिवक्ताओं ने जरूर न्यायिक कामकाज के स्थगन का प्रस्ताव सौंपा। यही हाल सीएचसी परिसर का भी है। अस्पताल से लेकर ट्रामा सेंटर तक जलभराव के कारण बीमार तथा तीमारदार दोनों को हलाकान होते देखा जा रहा है। नगर के नेताजीपुरम् मे घुइसरनाथ रोड को मिलने वाली जर्जर सड़क जलभराव के चलते दुर्घटना को दावत देने लगी है। लगातार हो रही बारिश से बाजार को भी सूनसान हालात मे देखा जा रहा है। गुरूवार को लगातार बरसात के कारण स्कूल कालेजों मे रेनी डे हो गया। ग्रामीण क्षेत्रो मे भी सम्पर्क मार्ग बारिश के चलते जलभराव की जद मे आ गये है। इन सबके बावजूद तहसील हो या फिर नगर पंचायत किसी को भी आम आवाम को हो रही मुश्किल से कुछ भी लेना देना नही सामने देखा जा रहा है। बारिश के चलते लोग दो दिनों से हलाकान व परेशान हो उठे है।

वरासत दर्ज करने के लिए लेखपाल ने लिये रुपये, वीडियो वायरल, विभाग में मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बाजार की कीमती जमीन पर वरासत दर्ज करने के लिए लेखपाल ने पीड़ित परिवार से रुपये लेने का वीडियो वायरल हो गया, जिसे लेकर राजस्व विभाग में हड़कंप मचा है। पीड़ित का आरोप है कि उक्त लेखपाल बिना पैसे लिये कोई भी कार्य नहीं करता।

आरोप है कि रानीगंज तहसील के रखहा बाजार के लेखपाल छोटेलाल सरोज गांव निवासी स्वर्गीय रत्नाकर सिंह के बेटे विशाल सिंह से उसकी पैतृक जमीनों पर वरासत दर्ज करने के लिये परिजनों से रुपये की मांग की। पीड़ित विशाल सिंह ने बताया कि उसके पिता रत्नाकर सिंह की 2011 में मृत्यु हो गई थी। जिनके नाम रानीगंज तथा पट्टी तहसील के कई गांव में पैतृक जमीन के साथ बाजारों में भी कीमती जमीन है, जिसमें वरासत दर्ज करने के लिए लेखपाल से कई बार कहा गया, किन्तु संबंधित लेखपाल वरासत दर्ज करने में टालमटोल करता रहा। मामले को लेकर परिवार के बॉबी सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ के पोर्टल पर शिकायत की जिस पर अधिकारियों ने वरासत दर्ज करने के लिए तहसील के अधिकारियों को आदेश भी दिया किन्तु आज तक वरासत नहीं दर्ज हुई। बीते दिनों पीडित की ओर से लेखपाल को वरासत दर्ज करने के नाम पर दो हजार रुपये रिश्वत के रूप में दिया गया। रुपये देने का वीडियो गुरुवार को जब वायरल हो गया तो राजस्व विभाग में वीडियो को लेकर हड़कंप मच गया। मामले में राजस्व विभाग का पक्ष जानने के लिए एसडीएम तथा तहसीलदार रानीगंज को कई बार फोन किया गया किन्तु हर बार उनका फोन से सम्पर्क नहीं हो सका।

बारिश ने बदली नगर व गांवों की सूरत

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। मंगलवार की रात से ही लगातार किसी समय रिमझिम तो किसी समय हो रही झमाझम बारिश ने नगरीय क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक की सूरत बदलकर रख दी है। जलजमाव व कीचड़, पानी से जहां लोगों के लिए आवागमन मुश्किल हो गया तो कहीं मकान तो कहीं पेड़ धराशाई होने की घटनाएं भी सामने आने लगी है। ज्ञानपुर नगर के दुर्गागंज रोड तिराहा व मोढ़ बाजार में घुटने भर जमा हुए पानी से पानी निकासी व्यवस्था को लेकर किए जा रहे तमाम दावे की पोल खुल गई है।

करीब पखवारे भर की भीषण उमस व गर्मी के बाद शुरु हुई बारिश से भले ही किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। पानी को धान फसल के लिए लाभकारी माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बारिश से जगह-जगह हो चुके जलजमाव से लोगों की फजीहत भी बढ़ चुकी है। ज्ञानपुर नगर के दुर्गागंज रोड तिराहा पर घुटने भर जमा हुए पानी से जहां आवागमन में दिक्कत हुई तो वहीं पानी निकासी को लेकर की जा रही तमाम व्यवस्था की पोल भी खुल गई। उधर ज्ञानपुर-गोपीगंज मार्ग पर स्थित घूरीपुर गांव के समीप सड़क पर भी विशालकाय पेड़ धराशाई हो जाने से आवागमन काफी देर तक अवरूद्ध रहा।

मोढ़ प्रतिनिधि के अनुसार : लगातार हो रही बारिश से पूरा मोढ़ बाजार झील में बदल चुका है। पानी निकासी की व्यवस्था न होने से बारिश का सारा पानी सड़क पर जमा हुई है। इससे एक ओर जहां वाहन सवारों से लेकर पैदल राहगीर तक परेशान हो रहे हैं, तो वहीं बाजारवासियों की दुकानदारी भी ठप पड़ चुकी है। महराजगंज प्रतिनिधि के अनुसार : दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते लक्ष्मणा गांव निवासी ओमप्रकाश तिवारी का मकान धराशाई हो गया। इससे जहां हजारों रुपये का सामान दबकर नष्ट हो गया तो मलवे की जद में आने से वह गंभीर रूप से घायल भी हो गए। बुधवार की शाम हो रही बारिश के दौरान अचानक मकान का एक हिस्सा गिर पड़ा। मलवे में दबने से अलमारी, गैस चूल्हा, इंडक्शन, सूटकेस सहित गृहस्थी के अन्य सामान दबकर नष्ट हो गए।

बारिश ने कालीन नगरी को किया पानी-पानी

अखंड भारत संदेश

भदोही। बारिश ने कालीन नगरी की स्थित नारकीय कर दी है। निकासी के अभाव में शहर के 80 फीसद क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति है। कालीन कारखानों के साथ-साथ कई निर्यात प्रतिष्ठानों में भी पानी भर गया है। खुले मैदान पहले से ही जलमग्न है। इसके कारण बुनाई सहित अन्य कामकाज पूरी तरह ठप हो गए। इसके कारण एक तरफ जहां कामगारों के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है वहीं निर्यातक भी परेशान हैं। लोगों का कहना है कि मौसम का यही हाल रहा तो उत्पादन के साथ-साथ तैयारी भी प्रभावित होगी। रुक- रुक कर हो रही बारिश का सिलसिला दिन भर जारी रहा। उधर जलजमाव का हाल यह है कि स्टेशन रोड, पकरी तिराहा पिछले 36 घंटे से जलजमाव से मुक्त नहीं हो सके हैं। आसिफ अंसारी के कारखाने में पानी भरने के कारण बुनाई कार्य ठप है। इसी तरह मुश्ताक अंसारी के कंपनी में पानी भरा है। यही हाल घमहापुर, जल्लापुर नईबस्ती, आलमपुर सहित अन्य मोहल्लों में है।

ओजोन परत के ह्रास पर वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

अखंड भारत संदेश

भदोही। विश्व ओजोन दिवस के मौके पर गुरुवार को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग पोर्टब्लेयर से वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सी. सिवापेरुमन की ओर से आयोजित वेबिनार में जुड़े विश्व भर के वैज्ञानिकों ने ओजोन परत के होते ह्रास पर चिंता जाहिर की। इस संकट से निबटने के लिए तैयार होते हुए पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया।

जनपद के नेवादा निवासी भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल अंटार्कटिका के सदस्य रामेंद्र उपाध्याय ने अंटार्कटिका में पिघलती बर्फ़ पर चिंता जताई। और उपयोगी जानकारी दी। पर्यावरण संरक्षण के लिए हरितिमा संवर्धन के लिए प्रेरित किया। ओजोन के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि गर्मी के माह में ओजोन का ह्रास अपेक्षाकृत ते ी से होता है। ह्रास की दर प्रति दशक उत्तरी और दक्षिणी मध्य अक्षांश में लगभग पांच फीसद है। ह्रास की गति यही रही तो अगले 70 से 100 वर्ष में ओजोन परत लगभग 11 से 16 फीसद तक नष्ट हो जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि सितम्बर 2006 तक अंटार्कटिका के उपर ओजोन की परत में 40 फीसद की कमी पाई गई थी। जिसे ओजोन छिद्र का नाम दिया गया था। वर्ष 2020 में संपूर्ण विश्व में लाकडाउन के कारण में ओजोन छिद्र में काफी सुधार हुआ, लेकिन अब फिर से तेजी से बढ़ने लगा है। इसे रोकने के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले समस्त कारकों प्लास्टिक, पालीथिन का प्रयोग कम करना होगा। पौध लगाकर उसे बचाना होगा। उन्होंने बताया कि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग गोवा से डा. धृति बनर्जी, मौसम विभाग दिल्ली से डा. विजय कुमार सोनी, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. परबीर जी ने वेबिनार से जुड़कर अपने शोध कार्यों से सभी को अवगत कराया।

न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

भदोही। गोपीगंज थाना क्षेत्र के जोगिनका गांव निवासी संजय सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत की ओर से जारी आदेश पर गोपीगंज पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ सुसंगत धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पीड़ित ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया कि ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव में तीन लोग मिलकर एक भूमि का रामप्रसाद आदि को आठ लाख रुपये देकर सट्टा करा लिया था। आरोप लगाया कि उनके दो पार्टनर जोगिनका स्थित आवास पर पहुंच कर गाली गलौज देते हुए मारपीट की साथ ही सट्टा में दिया गया पैसा वापस न करने तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद भी गोपीगंज पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित है कौशाम्बी का दादूपुर गाव

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गृह जनपद कौशाम्बी का एक गाँव आजादी के 75 साल बाद भी विकास को तरस रहा है। इस गाँव मे रहने वाले ज्यादातर लोग किसानी करते हैं और गरीबी मे अपना जीवन यापन कर रहे हैं। प्रदेश में आई योगी सरकार का कार्यकाल 4 साल से ऊपर होने को है,लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी व जनप्रतिनिधि का ध्यान इस गाँव की ओर नही गया।

यहाँ पर आज भी लोग खड़ंजा,नाली,आवास, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहें हैं। बता दें ताजा मामला सिराथू तहसील के अंतर्गत गौसपुर नवावाँ के मजरा दादूपुर गाँव का है, जहाँ बीती रात हुई बरसात के बाद पूरा गाँव जलमग्न हो गया। आधा दर्जन के करीब गरीबों का कच्चा मकान ढह गया। वहीं गाँव में नाली का निर्माण नहीं होने से गलियाँ तालाब में तब्दील हो गई हैं।

बरसात के बाद पूरे गाँव में हाहाकार मचा हुआ है,जिधर देखो उधर समस्याओं का अम्बार लगा है। लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रात भर जगने को बेबस हैं। समस्याओं को उजागर करने के लिये जब मीडिया की टीम गाँव पहुँची तो,ग्रामीणों का दर्द छलक पड़ा वर्तमान सरकार को कोसते हुए ग्रामीणों ने बताया कि आज के इस आधुनिक दौर मे उनके गाँव के लोगों को रहने के लिए छत,पीने के लिए पानी,चलने के लिए सडक और जल निकासी के लिए नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नही मिल पायीं हैं।

स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में 15 मरीजों का उपचार

अखंड भारत संदेश

भदोही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां में गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिकित्सा एवं जागरूकता शिविर में 15 मरीजों का उपचार किया गया। साथ लोगों को मानसिक तनाव को लेकर जागरूक किया गया। बताया गया कि लोगों को हमेशा तनाव ही मानसिक रोग का मुख्य कारण होता है। ऐसे में लोगों को हमेशा तनाव से दूर रहना चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य चंद्रभूषण उर्फ पप्पू त्रिपाठी ने शिविर का शुभारंभ किया। कहा कि इस तरह के शिविर से मरीजों को जांच से लेकर उपचार तक की सुविधा पूरी आसानी के साथ मिल जाती है। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डा. अमरनाथ ने शिविर आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मनोचिकित्सक अभिनव पांडेय व डा. अशोक परासर व डा. शांति आनंद की देख रेख में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बताया गया कि मानसिक रोग किसी को भी हो सकता है। इसका इलाज भी संभव है। यदि समय से पता चल जाए तो जल्द से जल्द समस्या से छुटकारा मिल जाता है। शिविर में डा. आनंद स्वरूप, रामप्रकाश, ईश्वरचंद्र वर्मा, किरन यादव, प्रेमा देवी, रामशरण, रजनीश आदि थे।

-------कौशाम्बी में बरसात का कहर----------

सीलन से गिरे कच्चे मकान, अलग अलग स्थानों पर दो मरे, एक घायल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जनपद में सराय अकिल व मोहब्बतपुर पइंसा थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को कच्चा मकान गिरने से दो की मौत हो गई, जबकि एक घायल बताया जा रहा है। पुलिस ने राजस्व विभाग को सूचना देकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू कर दी है। कच्चे मकान के ढहने की बड़ी वजह पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बरसात को बताया जा रहा है। पहली घटना सराय अकिल थाना क्षेत्र के बिरनेर गाव में बुधवार की रात मुरदी (62) व पति प्रेम नारायण (65) पुत्र स्व0 राम स्वरूप के साथ खाना खाकर सोई थी। भोर में तेज आवाज के साथ घर की दीवार धराशाही हो गई। जिसमें मुरदी और प्रेम नारायण मलबे में दब गए। स्थानीय लोगो ने मलबे से वृद्ध दंपत्ति को निकाल अस्पताल पहुचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान मुरदी की मौत हो गई जबकि प्रेम नारायण का इलाज किया जा रहा है। दूसरी घटना मोहब्बतपुर पइंसा थाना क्षेत्र के कोरी का पुरवा गाव में रहने वाले हीरा लाल गौरी (55) पुत्र छेदी लाल खाना खाकर सोया था। हीरा लाल मकान के जिस तरफ सो रहा था उस तरह की दीवार तेज आवाज के साथ गिर गई। जिसमें दबने से हीरा लाल गंभीर हो गया। परिजन इलाज के लिए उन्हें सीएचसी सिराथू लेकर पहुचे। जहां हालात गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान हीरालाल ने दब तोड़ दिया। अलग अलग थाना क्षेत्र की पुलिस ने सूचना पर लाशो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू कर दी है।

बारिश से कच्चा मकान जमींदोज गृहस्थी बर्बाद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सदर तहसील मंझनपुर के ढोकसहा गांव में बृहस्पतिवार की सुबह भारी बारिश के कारण एक कच्चा मकान जमींदोज हो गया जिससे घर में रखी गृहस्ती दबकर बर्बाद हो गई। ढोकसहा गांव निवासी विमला देवी पत्नी माता बदल का कच्चा मकान बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश के कारण भरभरा कर गिर गया,जिसमें रखी ग्रहस्ती का सामान कपड़ा, बर्तन और अनाज दबकर बर्बाद हो गया। गनीमत यह रही कि उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था।

किसानों के नलकूप व आम जनता के घरेलू बिजली बिल माफ करे सरकार-अजय

साकिपा बिजली बिल माफी की मांग को लेकर प्रदेश सरकार को भेजेगी ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में उदहिन बुजुर्ग में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बोलते हुए समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते किसानों एवं आम जनता को भारी आर्थिक समस्यायों से जूझना पड़ रहा है। लिहाजा प्रदेश सरकार को चाहिए कि किसानों के निजी नलकूप एवं आम जनता के घरेलू बिजली बिल माफ कर किसानों एवं आम जनता को कोरोना महामारी के समय आर्थिक राहत प्रदान करे। कहा कि प्रदेश सरकार ने कोरोना महामारी के चलते आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों एवं आम जनता के लिए कुछ नहीं किया। लिहाजा प्रदेश सरकार को जल्द से जल्द किसानों एवं आम जनता को आर्थिक राहत प्रदान करने के लिए विद्युत बिल माफ कर देना चाहिए। कहा कि प्रदेश सरकार को इस मामले में राजनीतिक फायदा भी होगा और आने वाले विधान सभा चुनाव में किसान एवं आम जनता प्रदेश सरकार को बिजली बिल माफ करने के एवज में भारी मतों से समर्थन देंगे। कहा कि प्रदेश सरकार किसानों एवं आम जनता के लिए बिजली बिल माफ नहीं किया,तो आने वाले विधान सभा चुनाव में किसान एवं आम जनता प्रदेश सरकार को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे। कहा कि जल्द ही इस संबंध में समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में प्रदेश सरकार को एक ज्ञापन भेजा जायेगा और ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार से किसानों एवं आम जनता के हित में बिजली बिल माफ करने की मांग की जाएगी। कहा कि समर्थ किसान पार्टी किसानों के निजी नलकूप का बिजली बिल एवं आम जनता के घरेलू बिजली बिल को माफ करने का प्रदेश सरकार से मांग करती है। इस अवसर पर सुरजीत वर्मा, जय सिंह पटेल, जुम्मन अली, राजेश सरोज, डा अवधेश कुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

सर्पदंश से महिला और किशोर की मौत, कोहराम

अलग अलग हुई घटना, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया किशोर का शव

अखंड भारत संदेश

चायल,कौशाम्बी। चायल सर्किल क्षेत्र में बुधवार की रात जहरीले सांप ने एक महिला और किशोर को डस लिया। इसमें झाड़फूंक के दौरान दोनों की मौत हो गई। अलग अलग गांवों में हुई घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

मृत किशोर के परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है जबकि महिला के शव को रखकर परिजन झाड़फूंक के जरिये जान डालने का प्रयास करते रहे। पिपरी कोतवाली के भीखपुर मेंडवारा निवासी प्यारे लाल की पुत्री रामपति (30) की शादी प्रयागराज के हरवारा गांव में रामबाबू के साथ हुई थी। पति रामबाबू के पैरालाइसेस से पीड़ित होने के बाद रामपति कई साल से पति और बच्चों के साथ आकर मायके में रहने लगी थी। बुधवार की शाम रामपति घर मे बच्चों के साथ सो रही थी तभी कच्चे घर की दीवार पर रहा एक जहरीला सांप अचानक महिला के ऊपर आकर गिर गया। जब तक रामपति होश संभालती कि तब तक सांप ने महिला के दाहिने हांथ में काट लिया। चीख पुकार सुनकर जुटे मोहल्ले के लोग रामपति को झाड़ फूंक के लिए पास के गांव लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई।

शव में जान डालने के लिए परिजन तांत्रिकों का सहारा लेकर बृहस्पतिवार की देर शाम तक झाड़फूंक करते रहे। इसी प्रकार चरवा कोतवाली के पहाड़पुर सुधवर गांव में अंकित (16) पुत्र तुलसी को बुधवार की शाम जहरीले सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर अंकित को इलाज और झाड़फूंक के लिए तांत्रिक के पास ले जाया गया जहां कुछ देर तक चले झाड़फूंक के बाद अंकित की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर अंकित के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा है।

चायल ब्लाक के विद्यालयों के अध्यपाकों की तैनाती में मनमानी

अखंड भारत संदेश

चायल,कौशाम्बी। चायल ब्लाक का गांवो में बेसिक शिक्षा का बुरा हाल है। परिषदीय विद्यालयों में मानक की अनदेखी कर तैनात किए गए शिक्षकों के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कहीं कहीं शिक्षकों की मनमानी के कारण पठन पाठन प्राभवित हो रहा है तो किसी विद्यालय में शिक्षकों की कमी खल रही है। मनमाने तरीके से तैनात किए गए शिक्षकों को विभाग में स्थानीय स्तर पर भी खींचतान का माहौल है। शिक्षकों की इस खींचतान में प्रभावित हो रहे पठन पाठन के माहौल को लेकर जिम्मेदार भी मौन हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर एक निश्चित अनुपात निर्धारित किया है। बच्चों की संख्या और उपस्थिति के अनुपात में शिक्षकों की तैनाती किये जाने का प्राविधान तय किया गया है। लेकिन विभाग में शिक्षकों की तैनाती का यह अनुपात चायल ब्लाक के गांवों के स्थापित परिषदीय विद्यालयों में सटीक नहीं बैठ रहा है। यहां शिक्षकों की तैनाती में मनमानी बरती गई है। अनुपात के विपरीत तैनात किए गए शिक्षकों से उनके परिषदीय विद्यालयों की शैक्षिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ब्लाक के किसी विद्यालय में अध्यापक की संख्या कम है तो कहीं कहीं अध्यपाकों की फौज खड़ी कर दी गई है। यह सब विभाग में तैनात जिम्मेदारों की मनमानी के कारण हो रहा है। चायल ब्लाक के बीआरसी परिसर में संचालित होने वाला संविलियन विद्यालय ही मानक, नियम और अनुपात के विपरीत है। यहां पर अनदेखी करते हुए तीन शिक्षामित्र और तीन अनुदेशक सहित कुल 26 शिक्षक तैनात किए गए है। जबकि इन अध्यपाकों के सापेक्ष बच्चों की संख्या 956 दिखाई गई है। इसी प्रकार गेरिया खालसा और में तीन सौ बच्चों के सापेक्ष 11 शिक्षक तैनात किए गए है। चिल्ला शाहबाजी में 12 और बिलासपुर 11 शिक्षक तैनात कर शिक्षा व्यवस्था में सुधार का प्रयास किया जा रहा है।

ब्लाक के कुछ विद्यालयों को छोड़ दिया जाए, तो अधिकांश विद्यालयों में शिक्षा का स्तर बेहद खराब है। अधिकांश विद्यालयों में मानक के अनुरूप शिक्षकों का न होना भी बड़ी वजह है। जिन विद्यालयों में एक-एक शिक्षक हैं, उन्हें पढ़ाने के साथ विभाग से जुड़े अन्य काम भी करने होते हैं। ऐसे हालात में सभी कक्षाओं के बच्चों को एक साथ बैठा दिया जाता है।

पास के गांवो में तैनाती के लिए लगती है होड़

चायल,कौशाम्बी। चायल ब्लाक के परिषदीय विद्यालयों के तैनात सभी शिक्षक पड़ोसी जनपद प्रयागराज से प्रतिदिन आते हैं। आने जाने में कोई दिक्कत न हो और विद्यालय पास रहे,इसके लिए शिक्षक अपने मनचाहे विद्यालय में तैनाती के लिए होड़ मचा रखें हैं। चायल के गेरिया खालसा, कसेंदा, संविलियन विद्यालय चायल और बिलासपुर आदि गांवों के विद्यालयों में शिक्षक अपनी पहुंच को लेकर जाने जाते हैं। इन विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के विद्यालय में न तो आने का समय होता है और न ही जाने का कोई निर्धारित समय है। पहुंच और हनक के चलेते इन अध्यापकों को रोक रोक टोक करने वाला भी कोई नहीं होता है। चायल संविलियन विद्यालय में दर्जन भर से अधिक अध्यापक ऐसे हैं जो सिर्फ हाजिरी लगाने ही विद्यालय आते हैं।

सम्पादकीय

तेजी से बढ़ती असमानता

क्रेडिट सुईस की ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2018 में तो कहा गया था कि देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास 51.5 फीसदी संपत्ति इकट्ठा हो गई है। ऐसी अलग-अलग रिपोर्टों में प्रतिशत का थोड़ा-बहुत अंतर कभी-कभार दिखता है तो उसकी एक वजह यह होती है कि उनमें संपत्ति की गणना के पैमाने अलग-अलग होते हैं। नैशनल सैंपल सर्वे द्वारा करवाए गए ऑल इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे 2019 की रिपोर्ट ने एक बार फिर देश में लगातार बढ़ती गैर-बराबरी की ओर ध्यान खींचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का आधे से अधिक हिस्सा ऊपर की दस फीसदी आबादी के हाथों में सिमट गया है। निचले हिस्से की 50 फीसदी आबादी के पास महज दस फीसदी संपत्ति है। गांवों के मुकाबले शहरों में यह विभाजन और तीखा नजर आता है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अमीर दस फीसदी लोगों के पास 50.8 फीसदी संपत्ति है वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 55.7 प्रतिशत पाया गया है। इस विस्तृत सर्वे रिपोर्ट के अलग-अलग कई महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर बारीकी से विचार होना चाहिए, लेकिन एक तथ्य स्पष्ट है कि विकास की प्रक्रिया जिन इलाकों में ज्यादा तेज रही, वहां असमानता का अनुपात भी ज्यादा है। इस तथ्य के अपने गहरे निहितार्थ भले हों, लेकिन यह अपने आप में कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी समय-समय पर आने वाली अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह तथ्य उजागर होता रहा है कि भारत में विकास की गति तेज होने के बाद भी पिछले ढाई-तीन दशकों में विषमता में तेज बढ़ोतरी हुई है।

क्रेडिट सुईस की ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2018 में तो कहा गया था कि देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास 51.5 फीसदी संपत्ति इकट्ठा हो गई है। ऐसी अलग-अलग रिपोर्टों में प्रतिशत का थोड़ा-बहुत अंतर कभी-कभार दिखता है तो उसकी एक वजह यह होती है कि उनमें संपत्ति की गणना के पैमाने अलग-अलग होते हैं। लेकिन इस तथ्य की पुष्टि इन तमाम रिपोर्टों से होती है कि भारतीय समाज में विषमता सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती जा रही है। वैसे यह रुझान अपने देश तक सीमित नहीं है। किसी भी समाज में अगर तेजी से समृद्धि आती है तो यह संभावना रहती है कि शुरू में संपत्ति आबादी के कुछ खास हिस्सों के हाथों में आए, जिससे विषमता बढ़ी हुई दिखने लगे। अपेक्षा यह रहती है कि बाद के दौर में यह धीरे-धीरे समाज के अन्य तबकों तक पहुंच कर उनके जीवन स्तर को भी ऊंचा करेगी। इसी बिंदु पर योजनाओं की भूमिका अहम हो जाती है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि अपनी स्वाभाविक गति में यह समृद्धि समाज के अन्य तबकों तक पहुंच रही है या नहीं। अगर नहीं पहुंचती है तो यह देखना होता है कि उसकी गति को बाधित करने वाले कारक कौन से हैं और उन्हें दूर करने के क्या इंतजाम हो सकते हैं। एनएसएस के ताजा आंकड़े बताते हैं कि अपने देश में सरकार को ऐसे इंतजामों पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

मोदी सिर्फ सबका साथ सबका विकास की बात करते हैं या कुछ करते भी हैं

नीरज कुमार दुबे

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनप्रतिनिधि के रूप में विभिन्न पदों पर रहते हुए बीस साल पूरे कर चुके हैं लेकिन देखिये उनके पास अन्य नेताओं की तरह ना तो आलीशान बंगला है, ना ही बड़े-बड़े बैंक बैलेंस हैं और ना ही चमचमाती कारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले अपना जन्मदिन नहीं मनाते हों लेकिन देश उनके जन्मदिन को बड़े धूमधाम से मनाता है क्योंकि भारत की जनता यही चाहती है कि उसे बरसों बाद जो सशक्त नेता मिला है वह अनंत काल तक नेतृत्व करता रहे। आज भले देश के समक्ष रक्षा-सुरक्षा संबंधी चुनौतियां खड़ी हैं लेकिन देश की जनता सिर्फ इसी बात से निश्चिंत है कि मोदी हैं तो हमारे देश की संप्रभुता और अखण्डता को कोई आंच नहीं आ सकती। दरअसल जनता बार-बार देख चुकी है कि कोई भारत को छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं यह बात सिर्फ मोदी कहते भर नहीं हैं इसे समय-समय पर हकीकत भी बना कर दिखाते हैं। सिर्फ रक्षा क्षेत्र की ही बात कर लें तो मोदी ने हमारी सेना को आधुनिक हथियारों और सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस ही नहीं किया है बल्कि दुश्मन को मुँहतोड़ जवाब देने के लिए जवानों को पूरी छूट भी दी है। हमारी सेना, वायुसेना और नौसेना जिन अत्याधुनिक हथियारों, लड़ाकू विमानों की बाट दशकों से जोह रही थीं उन्हें मोदी ने आते ही प्रदान भी किया और जिस तरह से देश को रक्षा मामले में आत्मनिर्भर बनाने का अभियान चलाया है वह आने वाले वर्षों में हमारी दूसरों पर निर्भरता तो कम करेगा ही साथ ही हम रक्षा निर्यात से भी बड़ी आमदनी कमा सकेंगे। नरेंद्र मोदी भले भारत के 14वें प्रधानमंत्री हैं लेकिन इस मामले में वह पहले प्रधानमंत्री हैं जिसने गरीबी को सबसे करीब से देखा है। जिसकी माँ दूसरों के घरों में काम करती हो, जिसने खुद कभी रेलवे स्टेशन पर चाय बेची हो, जिसने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा दो जोड़ी कपड़ों में गुजारा हो, जिसने हिमालय की चोटियों पर बरसों संन्यासी के रूप में गुजारे हों, जिसने मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात को ऐसा चमकाया हो कि दुनिया भारत के इस राज्य की चकाचौंध से जुड़ने के लिए खुद आतुर हुई हो, जिसने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को गरीबी और निराशा की स्थिति से निकाला हो और देश को एकजुट कर न्यू इंडिया की परिकल्पना साकार करने के लिए निकल पड़ा हो।

वाकई ऐसे जुझारू, कर्मठ, कर्तव्यनिष्ठ, भारत की संस्कृति के प्रचारक और राष्ट्रभक्त जनसेवक बिरले ही होते हैं। जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद की लगभग समाप्ति कर कश्मीरी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की बात हो या फिर पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद और कुछ राज्यों में आधार रखने वाले माओवाद पर काबू पाने की बात हो, मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में लगभग शांति बनी हुई है। नरेंद्र मोदी जनप्रतिनिधि के रूप में विभिन्न पदों पर रहते हुए बीस साल पूरे कर चुके हैं लेकिन देखिये उनके पास अन्य नेताओं की तरह ना तो आलीशान बंगला है, ना ही बड़े-बड़े बैंक बैलेंस हैं और ना ही चमचमाती कारें हैं। हाँ, उनके पास अपनी माँ का आशीर्वाद और भारत की जनता का प्यार जरूर है तभी तो चुनावों के समय जनता खुद ही नारा लगाती है- नमो नमो, मोदी मोदी, मोदी है तो मुमकिन है, हर हर मोदी घर घर मोदी लेकिन भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने देश को जो बड़े नारे या फिर कहिये सूत्रवाक्य दिये वह हैं- एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास। नरेंद्र मोदी ने अपने लिए बड़ा घर बनाने की जगह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिकॉर्ड संख्या में जरूरतमंदों के सिर पर छत प्रदान की। नरेंद्र मोदी ने सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्र या अपने गृहराज्य की चिंता करने की बजाय देश को समान रूप से विकास की ऐसी ढेरों परियोजनाएं प्रदान कीं जिससे नये भारत का निर्माण चारों ओर होता दिख रहा है।

भारत का पहला वॉर मेमोरियल, सेंट्रल विस्टा परियोजना आदि मोदी के कार्यकाल में ही साकार हुईं। स्वच्छ भारत, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, सीडीएस, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया अभियान,

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के वादे भारत में बरसों से सुने जाते थे लेकिन यह सब साकार मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हुए। यही वह सरकार है जिसने उद्योगों को मजबूती प्रदान करने के लिए उन्हें तमाम तरह की रियायतें प्रदान कीं, उद्योगों की स्थापना संबंधी प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया, मंजूरियां प्रदान करने की प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया, युवाओं को रोजगार पाने की जद्दोजहद में जुटने की बजाय उन्हें रोजगार प्रदान करने लायक स्थिति में पहुँचाने के लिए तमाम योजनाओं को पेश किया, कोरोना के कहर से देश को बचाने के लिए भारत में वैक्सीन के निर्माण को प्रोत्साहित भी किया तथा दुनिया में सबसे ज्यादा और तीव्र गति से वैक्सीन लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया, संकट के समय महीनों तक गरीब जनता को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया। यही नहीं ओलम्पिक और पैरालम्पिक खेलों के सभी पदक विजेताओं और प्रतिभागी खिलाड़ियों का हौसला प्रधानमंत्री ने निजी रूप से बढ़ाया। यह सही है कि मोदी की छवि हिंदूवादी नेता की रही है, लेकिन उन्होंने सदैव दूसरे धर्मों को भी समान रूप से सम्मान दिया। भोलेनाथ के भक्त और काशी के जनसेवक मोदी ने रामनगरी अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य का शुभारम्भ कर हिन्दुस्तान की जनता का सैंकड़ों वर्षों पुराना सपना साकार कर दिया तो मोदी सरकार के कार्यकाल में ही अल्पसंख्यक मंत्रालय ने मुस्लिमों के लिए इतनी योजनाएं पेश कीं कि आज यह वर्ग पहले की अपेक्षा ज्यादा पढ़ा-लिखा और संपन्न नजर आ रहा है। मोदी ने इस देश में बरसों से चल रही तुष्टिकरण की राजनीति को तो समाप्त किया ही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से भी मुक्ति दिलाई। आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन हो या फिर रक्षा बंधन या भैया दूज का त्योहार, मुस्लिम महिलाएं मोदी को भाई के रूप में राखी भेजती हैं, तिलक भेजती हैं। प्रधानमंत्री स्वयं कई बार अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबुद्ध लोगों से बात कर उनकी समस्याएं हल करने की दिशा में कदम उठा चुके हैं। यही कारण है कि देश में लोकसभा और विधानसभा की कई ऐसी सीटें हैं जो अल्पसंख्यक बहुल होने के बावजूद भाजपा के पास हैं। यह दर्शाता है कि मुस्लिमों को वोट बैंक के रूप में देखने वालों के दिन अब लद चुके हैं।

इस देश में दलितों और पिछड़ों को भी सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखा जाता था लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनकी सामाजिक और आर्थिक दशा में बड़े बदलाव आये हैं। सबको याद होगा कि प्रयागराज के कुंभ मेले में स्वच्छता कर्मियों के पैर खुद प्रधानमंत्री ने धोये थे और उन्हें सम्मानित किया था। आज पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने का काम जितना नरेंद्र मोदी ने किया है उतना आजाद भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ। यही नहीं गांवों और किसानों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के लिए ना सिर्फ अनेकों योजनाएं पेश कीं बल्कि उनके क्रियान्वयन पर खुद निगाह भी रखी। गरीब किसानों की मदद के वादे तो पहले भी किये जाते थे लेकिन नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान योजना के जरिये ना सिर्फ उनकी आर्थिक मदद की बल्कि तमाम तरह की फसलों का एमएसपी समय-समय पर बढ़ाकर उन्हें और सशक्त भी किया। बहरहाल, आज पूरे विश्व भर का जो माहौल है उसमें जनता से मिले भारी बहुमत की ताकत रखने वाला नेता ही देश के हितों से जुड़े मुद्दों को वैश्विक मंचों पर पूरी ताकत के साथ उठा सकता है। मोदी राष्ट्र हित में फैसले लेने के लिए राजनीतिक नुकसान की परवाह नहीं करते इसलिए वह देश के लिए कई साहसिक निर्णय ले पाये हैं। प्रतिदिन 24 में से 18 घंटे काम करने वाले भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के लिए देश सेवा ही सबकुछ है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े पद तक पहुँचने का उनका सफर हमारे लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है जहाँ सामान्य परिवार से जुड़ा व्यक्ति भी शीर्ष पद तक पहुँच सकता है।

बातें बहुत हुईं, अब क्वाड कुछ करके दिखाए

सीमा सिरोही

आने वाले क्वाड (अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया) शिखर सम्मेलन पर सबकी नजरें टिकी हैं। आशा है कि इस बार वहां कुछ स्पष्ट जवाब और दृढ़ प्रतिबद्धताओं की झलक मिले और बार-बार दोहराई जाने वाली घोषणाओं से बात आगे बढ़े। इस सम्मेलन की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कर रहे हैं, जो कोविड-19 और अफगानिस्तान जैसी चुनौतियों से तो घिरे ही हैं, उनकी अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी में दरार अलग पड़ रही है। ऐसे में उनकी टीम क्वाड के अजेंडे के प्रति अपना कमिटमेंट दिखाना चाहती है, यह देखने वाली बात होगी।

इस बार क्वाड के चारों नेता वैक्सीन डिलिवरी, नई तकनीक, जलवायु परिवर्तन की पहल आदि के साथ-साथ अफगानिस्तान, पाकिस्तान और चीन पर भी चर्चा करेंगे। अफगानिस्तान में पाकिस्तान की मदद से तालिबान दुनिया को हर संभव तरीके से परेशान कर रहे हैं। चाहे आतंकवादियों से भरी सरकार बनाने की बात हो या औरतों को बुर्का पहनाने की, वे कोई कसर बाकी नहीं रख रहे। पत्रकारों और महिलाओं को कोड़े मारने के विडियो इतनी ज्यादा संख्या में हैं कि नजरअंदाज नहीं किए जा सकते। जाहिर है, तालिबान के राज में अफगानिस्तान का भविष्य कैसा होगा, यह समझना खास मुश्किल नहीं है।

अफगानिस्तान से शर्मनाक वापसी के चलते बाइडन की विशेष जिम्मेदारी बनती है। क्वाड के बाकी नेताओं- नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट मॉरिसन और जापान के योशिहिदे सुगा- के साथ मिलकर बाइडन को अफगानिस्तान पर साफ सिग्नल देना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि वे प्रतिबंधों को बनाए रखेंगे, मान्यता देने की जल्दबाजी नहीं करेंगे और फंड्स पर लगी रोक जारी रखेंगे। अफगानिस्तान की 'इन्क्लूसिव' सरकार का चेहरा साफ हो जाने के बाद रूस और चीन भी अपनी शुरुआती उत्साहवर्धक प्रतिक्रियाओं को बैलेंस करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान तो इतना परेशान हुआ कि खुलकर सामने आने से खुद को नहीं रोक सका। तालिबान-आईएसआईएस के हाथों अमेरिका को मिली हार की शुरुआती खुशी धुंधली पड़ने लगी है। रूस तो मध्य एशिया में कट्टरता का दबदबा बढ़ने की आशंका से साफ तौर पर चिंतित है। चीन भी असमंजस में है कि पाकिस्तान वाकई वहां के हालात संभाल पाएगा या नहीं। अमेरिका हार गया है इसमें तो कोई शक नहीं, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि कोई जीता नहीं है। तालिबान को छोड़कर सभी नुकसान में ही हैं।

अफगानिस्तान पर भारत और रूस भी अलग से बात कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने इस मसले पर एक साझा नजरिया बना लिया है। ईरान के नए विदेश मंत्री हुसैन अब्दुल्लाहियन इसी हफ्ते ताजिकिस्तान के दुशांबे में एस जयशंकर से मिलेंगे। क्या अफगानिस्तान पर त्रिपक्षीय समझ बन सकती है 11 अगस्त को कतर में पाकिस्तान, चीन और अमेरिका के 'ट्रोइका टॉक' से भारत को बाहर रखने वाले रूस के विशेष दूत जमीर काबुलोव की बोलती बंद है। उनके प्रयासों के मनमाफिक नतीजे नहीं आए।बदले हालात में भारत का ध्यान रूस पर है। यही समय है कि बाइडन को भी इस बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। चीन की तुलना में रूस को साथ लेना कहीं अधिक आसान है। पिछले हफ्ते बाइडन ने शी जिनपिंग को फोन किया था। 90 मिनट की बातचीत हुई, लेकिन इसके नतीजे क्या होंगे, यह साफ नहीं है। बाइडन की निजी कूटनीति से शी पर बहुत फर्क नहीं पड़ने वाला। जॉन केरी जब पिछले हफ्ते चीन में थे तो चीनियों ने उनका अपमान किया। केवल एक जूनियर अधिकारी केरी से मिलने गया। अमेरिका और चीन की मार्च 18-19 को अलास्का में हुई पहली मीटिंग सहित अब तक की सारी मीटिंगें बेकार ही गई हैं।चीन के साथ चल रहे विवादों में से जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को अलग करने की बाइडन की रणनीति काम नहीं आ रही। इस पर फिर से सोचने की जरूरत है। चीनी अमेरिकियों को बेइज्जत करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। बाइडन एडमिनिस्ट्रेशन डील के लिए बेताब दिखता है, जबकि चीनी उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी में पड़ती दरारों के मजे ले रहे हैं। यह सब देखते हुए क्वाड को इंडो-पैसिफिक को मुक्त बनाए रखने की अपनी ख्वाहिश के बारे में थोड़ा अलग तरीके से सोचना चाहिए। टीके तो जरूरी हैं, पर वायरस की उत्पत्ति के सवाल पर पूरी पारदर्शिता के साथ चीन की जिम्मेदारी तय करना भी उतना ही जरूरी है।

क्यों अनजान चेहरों को सीएम बनाती है बीजेपी

नीलांजन मुखोपाध्याय

गुजरात में अचानक विजय रूपाणी को हटाकर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाने के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट छाप दिखती है। मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद उन्होंने पहले राज्य की सरकार चलाई और अब देश की सरकार चला रहे हैं। इस दौरान बीजेपी में कई रणनीतिक फैसले उनके कहने पर हुए। ऐसा नहीं कि इन फैसलों पर अमल करने से पहले पार्टी में चर्चा नहीं होती, लेकिन यह भी सच है कि एकाध मामलों को छोड़ दें तो ज्यादातर में मोदी ही आखिरी फैसला करते हैं। गुजरात में भी यही हुआ, लेकिन रूपाणी को हटाकर पटेल को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयोग सफल होता है या नहीं, यह कई बातों से तय होगा। इस पर जहां विपक्षी दलों की चुनौतियों का असर होगा, वहीं बीजेपी के अंदर से उठने वाले विरोध का भी प्रभाव पड़ेगा।गुजरात के इस मामले को अलग-थलग करके देखना ठीक नहीं होगा। रूपाणी को हटाकर पटेल को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला कई ऐसे कदमों की कड़ी है, जिन्हें हाल में प्रधानमंत्री ने शुरू किया है। इससे पहले उत्तराखंड और कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले गए। केंद्र सरकार में कई नए मंत्री बनाए गए। कुछ को बाहर भी किया गया। इनका मकसद इस साल की शुरुआत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लचर व्यवस्था से उपजी नाराजगी को दूर करना था। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बदलाव के जरिये लोगों को संदेश दिया गया कि दोषियों को सरकार ने सजा दे दी है। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को इसीलिए हटाया गया। इस बीच, प्रधानमंत्री की लोकप्रियता विपक्ष के दूसरे नेताओं से ऊपर बनी हुई है, लेकिन मोदी को इसका अहसास भी होगा कि लोगों के बीच उनकी साख पहले जैसी नहीं रही। सच यह भी है कि उनके खिलाफ गुस्सा उतना नहीं है, जितना कोरोना की दूसरी लहर के वक्त था। इसके बावजूद प्रधानमंत्री को पता होगा कि शायद जनता को अभी जो आर्थिक परेशानियां हो रही हैं, उसकी वजह से उनके अंदर सरकार को लेकर दबी हुई 'नाराजगी' हो सकती है। मोदी यह भी जानते हैं कि यह सेंटिमेंट आगे बढ़ सकता है। इसलिए बचाव के उपाय करने जरूरी हैं।

2014 लोकसभा चुनाव में जब मोदी ने बीजेपी को बहुमत दिलाया, तब कहा गया कि उन्होंने भारतीय राजनीति में जातिगत पहचान को अप्रासंगिक बना दिया है। इसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में बीजेपी ने जीत दर्ज की। मोदी ने तब इन राज्यों में मुख्यमंत्री पद के लिए कम जाने-माने चेहरों को चुना। वह भी उन जातियों से, जो राज्य की राजनीति में दबदबा नहीं रखती थीं। इससे यह संदेश गया कि मोदी एक 'नई' राजनीति और चुनावी परंपरा शुरू कर रहे हैं। यह संदेश आरएसएस की एक पुरानी सोच पर आधारित था- एक नेता का अनुसरण करो। साथ ही उन्होंने विकास की राजनीति का विचार पेश किया।

जुलाई 2021 में जब केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बदलाव हुआ तो लगा कि वह परंपरा पीछे छूट गई। इस बदलाव से जो नई टीम बनी, उसमें 27 ओबीसी और 12 दलित मंत्री थे। तब इसका हवाला देते हुए मोदी को ओबीसी और दलितों का नया मसीहा बताया गया। इस घटना को दो महीने ही गुजरे थे कि गुजरात में भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया। इससे पता चलता है कि बीजेपी अब गुजरात की राजनीति में दबदबा रखने वाले पटेलों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। जातीय राजनीति पर लौटने का मतलब यह भी है कि पार्टी को 'नई जातिरहित' राजनीति पर पहले की तरह भरोसा नहीं रहा, जिसकी शुरुआत मोदी ने की थी। वहीं, जिस तरह से गुजरात में बीजेपी ने अलग-अलग धड़ों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है, उससे पता चलता है कि अंदरखाने नेता विरोध जताने लगे हैं। पार्टी पहले किसी व्यक्ति या किसी धड़े की मांगों पर ध्यान नहीं देती थी। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सब पर भारी पड़ती थी क्योंकि चुनावों में उन्हीं के दम पर जीत मिल रही थी।इधर, बीजेपी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच हर राज्य में पहले जैसा तालमेल नहीं दिख रहा। 2014 में पार्टी के अंदर मोदी ने जिस ढांचे को चुना, वह वाजपेयी-आडवाणी युग के संघीय ढांचे से बिल्कुल अलग था। पहले राज्यों में नेताओं को उभरने का मौका दिया जाता था। उसे अच्छा माना जाता था। इसी नीति के कारण मोदी का राष्ट्रीय राजनीति में उभार हुआ, लेकिन 2014 के बाद बीजेपी में हाई कमान कल्चर का दबदबा बढ़ा। अजीब बात है कि यह नेहरू के बाद के कांग्रेस युग की याद दिलाता है। इस दौर में राजस्थान में वसुंधरा राजे और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान बने तो रहे, लेकिन उनकी राजनीतिक हैसियत कम हो गई। मोदी ने उसी अंदाज में नए मुख्यमंत्री चुने, जैसे इंदिरा गांधी चुनती थीं। उन लोगों को राज्यों में शीर्ष पद पर बिठाया गया, जिनका मामूली जनाधार था और जो केंद्रीय नेतृत्व के सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर सकते थे। इसमें 2017 में एक बदलाव आया, जब योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि वह इस पद के उम्मीदवार तक नहीं थे। इसमें संघ परिवार के अंदर के राजनीतिक समीकरणों की भूमिका थी। यह बात और है कि 2019 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद इससे मोदी को फायदा ही हुआ। इसमें दिक्कत यह आई कि दूसरों की तुलना में आदित्यनाथ स्वायत्त मुख्यमंत्री साबित हुए। यह बात पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को पसंद नहीं आई। असम में भी 'निचले स्तर से दबाव' के कारण हिमंत बिस्व सरमा को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। यहां भी मोदी का राज्यों के लिए पिछला मॉडल नहीं चला। हालांकि, अब गुजरात में जिस तरह से मुख्यमंत्री को बदला गया है, उससे संकेत मिलता है कि प्रदेश स्तर पर मोदी की पकड़ कमजोर नहीं हुई है।

मौसमी धर्मनिरपेक्षता के माहिर नीतीश कुमार.. बख्तियारपुर, अब्बा जान और जमा खान से समझिए

आलोक कुमार

नीतीश कुमार पिछले दिनों तमतमा गए। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि बख्तियारपुर का नाम बदलने की मांग हो रही है। इस पर उनका क्या कहना है। भड़के नीतीश ने कहा, हम जहां जन्मे हैं उहरे का नाम बदलेगा, बिना मतलब की बात करते हैं। फालतू बात है। फिर कुछ दिनों बाद उनकी पार्टी जनता दल (यूनाईटेड) के नए नवेले राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की बारी थी। उनसे पत्रकारों ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के बाबाजान वाले बयान पर प्रतिक्रिया ली। उन्होंने भर्त्सना तो नहीं की लेकिन असहमति ऐसे जताई - किसी भी राजनीतिक दल के नेता को संयमित भाषा में अपनी बात रखनी चाहिए। देश सबका है। हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, ये सभी का है। ऐसी कोई बात नहीं बोलनी चाहिए जिससे देश को नुकसान हो।दरअसल उत्तर प्रदेश में चुनाव है। बिहार में पार्टी कमजोर है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) हावी होती जा रही है। इसलिए सेक्युलर दिखाने का टाइम है। नीतीश कुमार ने नया-नया ताज दिया है तो ललन सिंह जेडीयू विस्तार करने चले हैं। अगस्त में ही उन्होंने साफ कर दिया कि अगर बीजेपी ने सम्मानजनक सीटें नहीं दी तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लडेगी़। वो बिहार में मिले सम्मान के नतीजे को भूल गए। सीट शेयरिंग में 122 सीटें मिली। सात जीतन राम मांझी को दी। 115 पर लड़े और 72 सीटों पर हार गए। बीजेपी इतनी ही पर लड़ी और 74 सीटें जीत गई। बीजेपी के प्यार-दुलार से चिराग पासवान ने नीतीश की तीन नंबर पर समेट दिया।अब एक नंबर पर आना है। ऐसा होगा या नहीं कह नहीं सकते। नीतीश कुमार लास्ट इनिंग का लस्ट कैसे छोड़ सकते हैं। सीएम बनने के बाद पहली कोशिश तो बिना चुनाव के ही टैली बढ़ाने की थी। 46 तक चला भी गया लेकिन दो विधायकों के असामयिक निधन से फिर 44 पर हैं। सम्मान की लड़ाई में सिद्धांत को आगे रखा जा रहा है। यूपी में चुनाव है। अभी धर्मनिरपेक्ष होने का सीजन चल रहा है। इसी बहाने बिहार के मुसलमान भी कहीं साथ आ जाएं। खिसके वोट बैंक में ये 17 परसेंट से आस तो है ही। जब असदुद्दीन ओवैसी हैदराबाद से आकर बिहार की पांच सीटें पा सकते हैं तो सेक्युलर नीतीश पुरानी छवि हासिल क्यों नहीं कर सकते। 2020 में 15.3 परसेंट वोट जेडीयू को मिले। 2015 में 16.8, 2010 में 22.5 और 2005 में 20.4 परसेंट वोट मिले थे। ये गिरवाट 2010 से ही जारी है। 2015 तो लालू के साथ लड़ कर जीते।जेडीयू का दावा है कि बिहार से सटी 20 से ज्यादा सीटों पर कुर्मी, भूमिहार वोट उनकी पार्टी को मिल सकता है। अगर नीतीश को लगता है कि ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने से भूमिहार वोट मिलेगा तो वहम है। सिपहसालार आरसीपी सिंह को मंत्री बनाने से यूपी में कुर्मी वोट मिलेगा तो भी वहम है। अनुप्रिया पटेल पंकज चौधरी ही बीजेपी के लिए ये काम करेंगे। यूपी के मुसलमान नीतीश कुमार को वोट क्यों करेंगे नीतीश कुमार क्राइम, करप्शन और सेक्युलरिज्म तीनों से समझौता नहीं करने की कसम खाते रहे हैं। क्राइम और करप्शन से समझौते का लेवल तो बिहार के अखबार हर सुबह बता रहे।सेक्युलरिज्म सीजनल है। उदाहरण ले लीजिए। पांच अगस्त, 2019 को धारा 370 खत्म करने का कानून पास हो गया। राज्यसभा में जेडीयू ने इसके विरोध में वॉकआउट किया। सात अगस्त को राज्यसभा में पार्टी के नेता ने समर्थन दे दिया। जवाब था अब तो कानून बन गया और देश में बने कानून का सम्मान होना चाहिए। बात में पंच भी फील नहीं हो रहा था। नीतीश कुमार ने बेइज्जत भले किया हो पर जॉर्ज फर्नांडिस का हवाला देकर कह चुके थे - हमारे नेता स्वर्गीय जॉर्ज साहब जब एनडीए के कनवीनर थे तभी से हम राम मंदिर, धारा 370 और समान आचार संहिता के खिलाफ थे।

इत्तेफाक ऐसा रहा कि जुलाई से नवंबर के बीच अदालत और संसद के सहारे तीन तलाक कानून भी बन गया। राम मंदिर का रास्ता प्रशस्त हुआ और 370 भी इतिहास बन गया। पर नीतीश टस से मस नहीं हुए। सेक्युलर बने रहे और एक साल बाद ही बीजेपी के साथ चुनाव लड़ कर अपनी ही पार्टी को 15 साल के सबसे बुरे हाल में पहुंचा दिया। इसलिए जब बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर ने बख्तियारपुर का नाम बदलने की मांग की तो नीतीश को जन्मस्थान की याद आ गई। उन्होंने अपना नैरेटिव दिया। वो संसदीय समिति के किसी सदस्य के हवाले से अपना गुणगान कर बैठे। कहते हैं - वहां तो चर्चा हुई कि एक बख्तियार था जो वहां से नालंदा जाकर विध्वंस किया और अब एक उसी बख्तियारपुर का है जो वहां फिर से बना रहा है।

52 की उम्र में अपने बैटिंग से इस बल्लेबाज ने किया युवा खिलाड़ियों को फेल, जड़े लंबे-लंबे सिक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। 52 साल की जिस उम्र में खिलाड़ी रिटायरमेंट लेकर कमेंट्री बॉक्स में या युवा प्लेयर्स को कोचिंग देते हुए नजर आते हैं। उसी उम्र में यूरोपियन टी-10 क्रिकेट लीग में टॉनी व्हाइटमैन नाम के बल्लेबाज ने अपनी बैटिंग से ऐसा गद्दर मचाया कि सामने वाली टीम के गेंदबाजों की हालत खस्ता कर दी। व्हाइटमैन ने अपनी तूफानी पारी के दौरान एक के बाद एक गगनचुंबी छक्के लगाए और महज 22 गेंदों में अपना अर्धशतक ठोक दिया। सोशल मीडिया पर लक्जमबर्ग टीम के इस 52 साल के बल्लेबाज का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, यूरोपियन क्रिकेट लीग में लक्जमबर्ग और स्वीडन के बीच में मुकाबला खेला गया, जहां 52 साल के टॉनी व्हाइटमैन ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से हर किसी को अपना फैन बना दिया। टॉनी की टीम एक समय पर चार विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन इसके बाद लक्जमबर्ग के बल्लेबाज ने अपने बल्ले से ऐसा कोहराम मचाया कि गेंदबाजों को रन बचाने मुश्किल पड़ गए। व्हाइटमैन ने अपने शुरुआती 20 रन 14 गेंद खेलकर बनाए थे, लेकिन इसके बाद अगली 8 गेंदों में उन्होंने पांच लंबे सिक्स जड़कर अपनी फिफ्टी पूरा कर ली। स्वीडन के फील्डर ने हालांकि व्हाइटमैन को एक जीवनदान भी दिया जिसका टॉनी ने भरपूरा फायदा उठाया। व्हाइटमैन इस लीग में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भी टॉप तीन में शुमार हैं और वह 4 पारियों में 181.43 के स्ट्राइक रेट से 127 रन ठोक चुके हैं।

विराट कोहली ने किया ऐलान, वर्ल्ड कप के बाद छोड़ेंगे टी-20 टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने टी-20 कप्तानी से हटने का फैसला किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद विराट भारतीय टीम की टी-20 कप्तानी छोड़ देंगे और उनकी जगह पर रोहित शर्मा को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। इस बात को लेकर हाल ही में काफी चर्चा हुई थी, लेकिन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस तरह की बातों को बकवास करार देते हुए कहा था कि विराट ही टीम इंडिया का आगे भी नेतृत्व करेंगे। हालांकि, विराट कोहली वनडे में भारतीय टीम की अगुवाई करते रहेंगे।

विराट ने अपने ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैं काफी भाग्यशाली रहा कि मुझे ना सिर्फ इंडिया, बल्कि इंडियन क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करना का मौका मिला। मैं उन सभी को धन्यवाद कहना चाहता हूं जिन्होंने भारतीय कप्तान के तौर पर यात्रा में मेरा सपोर्ट किया। मैं यह उनके बिना नहीं कर सकता था- मेरे साथी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, सिलेक्शन कमिटी, मेरे कोच और हर वह भारतीय जिसने हमको जीत दिलाने के लिए प्रार्थना की। यह समझते हुए कि वर्कलोड एक महत्वपूर्ण चीज है और मेरे पिछले 8 से 9 साल से तीन फॉर्मेट खेलने और साथ में 5-6 साल से कप्तानी करने के वर्कलोड को देखते हुए, मुझे लगता है कि मेरे को खुद को स्पेस देना चाहिए ताकि मैं इंडियन क्रिकेट टीम की वनडे और टेस्ट में कप्तानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार रह सकूं। मैंने टी-20 कप्तान रहते हुए टीम को अपना सबकुछ दिया है और मैं आगे भी एक टी-20 बल्लेबाज के तौर पर ऐसा करता रहूंगा। जाहिर तौर पर इस फैसला पर आने में मुझे काफी समय लगा। अपने करीबी लोगों, रवि भाई और रोहित जो कि मेरी लीडरशिप ग्रुप के अहम हिस्सा हैं इन सबसे बातचीत करने के बाद मैंने फैसला किया है कि अक्टूबर में दुबई में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद मैं टी-20 कप्तानी छोड़ दूंगा। मैंने बीसीसीआई प्रेसिडेंट सौरव गांगुली,सेक्रेटरी जय शाह और सभी सिलेक्टर्स से इसको लेकर बात कर ली है। मैं आगे भी अपनी पूरी काबिलियत से इंडियन क्रिकेट और इंडियन टीम के लिए खेलना जारी रखूंगा।

टी-20 इंटरनेशनल में विराट की कप्तानी में टीम इंडिया ने अबतक 45 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को 29 में जीत हासिल हुई है, जबकि 14 में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। दो मैचों का नतीजा नहीं आया है। टी20 इंटरनेशनल में पहली बार विराट की कप्तानी में टीम इंडिया कोई आईसीसी इवेंट्स खेलने उतरेगी। यानी कुल मिलाकर टी-20 में विराट का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार ही रहा है। ऐसे में भारतीय कप्तान का इस फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का फैसला किसी के गले नहीं उतर रहा है। विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद रोहित शर्मा को टीम इंडिया को टीम इंडिया का टी-20 कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित की अगुवाई में भारत ने 19 मैचों में से 14 जीते हैं जबकि चार में हार का सामना करना पड़ा है। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2018 निदाहास ट्रॉफी जीती थी, जो श्रीलंका में खेली गई थी और उसमें बांग्लादेश ने भी हिस्सा लिया था। वहीं 2018 में यूएई में हुए एशिया कप में भी टीम इंडिया ने खिताबी जीत रोहित की कप्तानी में दर्ज की थी। रोहित आईपीएल में मुंबई इंडियंस को अपनी कप्तानी में पांच बार चैंपियन बना चुके हैं और उनके पास कप्तानी का खासा अनुभव मौजूद है।

ब्रैड हॉग ने बताया, मुंबई इंडियंस का छठी बार चैंपियन बनने का सपना चकनाचूर कर सकती है यह टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएई में 19 सितंबर से शुरू हो रहे आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में हर किसी की निगाहें मुंबई इंडियंस के प्रदर्शन पर होगी। रोहित की पलटन इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है और रिकॉर्ड पांच बार आईपीएल की ट्रॉफी पर कब्जा कर चुकी है। ऐसे में यूएई की सरजमीं पर टीम एकबार फिर अपने पिछले साल के प्रदर्शन को दोहराने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। मुंबई की टीम जब फॉर्म में होती है तो उसको रोक पाना खासा मुश्किल होता है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिन गेंदबाज ब्रैड हॉग का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुंबई का छठी बार चैंपियन बनने का सपना चकनाचूर कर सकती है।

आईपीएल 2021 में ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली प्वॉइंट टेबल में 12 प्वॉइंट लेकर टॉप पर बैठी है और टीम इसी प्रदर्शन को यूएई में भी जारी रखना चाहेगी। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पूर्व कंगारू गेदबाज ने कहा, मेरे लिए दिल्ली कैपिटल्स वो टीम होगी जिसको हराना मुश्किल होगा। इस ब्रेक की वजह से श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी हुई, जिसके चलते अब वह अपने विदेशी खिलाड़ियों में थोड़ी वैरायटी ला सकते हैं। उनको अब स्टीव स्मिथ के ऊपर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अय्यर के आने से टीम को बेहतर बैलेंस मिलेगा। रविचंद्रन अश्विन का भी उनकी टीम में कमबैक हुआ है। इन दोनों की वापसी से दिल्ली काफी मजबूत हो गई है। दिल्ली ऐसी इकलौती टीम है जो मुंबई का सफर खत्म कर सकती है और उनको छठी बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने से रोक सकती है। कागज पर दिल्ली कैपिटल्स सबसे बेस्ट टीम नजर आ रही है। जिस तरह का बैलेंस उनके पास है उसके दम पर वह मुंबई और सीएसके को आसानी से हरा सकते हैं।

आईपीएल 2021 के स्थगित होने से पहले दिल्ली के ओपनर शिखर धवन और पृथ्वी शॉ ने जमकर धमाल मचाया था और हर मुकाबले में टीम को धांसू शुरुआत दी थी। ऐसे में यूएई में भी टीम अपने सलामी बल्लेबाजों से विस्फोटक बल्लेबाजी की उम्मीद करेगी। धवन अबतक 8 मैचों में 380 रन कूट चुके हैं और ऑरेंज कैप भी उनके सिर पर ही सजी हुई है। वहीं, शॉ ने 8 मुकाबलों में 166.49 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 308 रन जड़े हैं। इनके अलावा पंत पर भी दारोमदार रहेगा और अय्यर के आने से दिल्ली का मिडिल ऑर्डर भी पहले से मजबूत दिख रहा है।

आईपीएल 2021 प्वॉइंट टेबल में टॉप पर दिल्ली कैपिटल्स, फिर भी हेड कोच रिकी पोंटिंग ने टीम को चेताया

दुबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज का आगाज 19 सितंबर से युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में होना है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आठ मैचों में छह जीत के साथ प्वॉइंट टेबल में टॉप पर है, लेकिन बावजूद इसके हेड कोच रिकी पोंटिंग ने टीम को चेताया है। पोंटिंग ने कहा कि 14वें सीजन के दूसरे फेज की शुरुआत टीम को नए सिरे से करनी होगी और पहले फेज में किया गया प्रदर्शन मायने नहीं रखता है। बायो-बबल में कोविड-19 के कई मामले आने के बाद मई में आईपीएल का 14वां सीजन बीच में ही स्थगित कर दिया गया था। पोंटिंग ने कहा, यह मायने नहीं रखता कि हमने सीजन के पहले हाफ में कैसा प्रदर्शन किया। हमने तब काफी अच्छा क्रिकेट खेला था और तब से चार महीने हो चुके हैं इसलिए हमें फिर से शुरुआत करनी होगी। उन्होंने कहा, हमें टूर्नामेंट के बढ़ने के साथ-साथ खुद को भी बेहतर करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि हम टूर्नामेंट के अंत की ओर अपना बेस्ट क्रिकेट खेलें। ऑस्ट्रेलिया के इस महान क्रिकेटर ने कहा, टूर्नामेंट के पहले हाफ में हमारा प्रदर्शन ऐसा इसलिए था क्योंकि हमने तब अच्छा क्रिकेट खेला था और कड़ी मेहनत की थी लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने अपना बेस्ट क्रिकेट खेला था।

पोंटिंग ने कहा कि उनके खिलाड़ियों ने यहां सीजन से पहले कैंप के दौरान काफी शानदार जोश दिखाया। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स के कैंप में वापसी के लिए चार महीने से इंतजार कर रहा था। टीम के साथ शानदार समय रहा था और मेरे कैलेंडर ईयर में भी यह शानदार समय है। मैं यहां कोचिंग स्टाफ से बात कर रहा हूं और उन्होंने अभी तक सीजन से पहले कैंप में शानदार काम किया है।

न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका

वनडे सीरीज से बाहर हुए विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18 साल बाद पाकिस्तान की सरजमीं पर लिमिटेड ओवर सीरीज खेलने पहुंची न्यूजीलैंड की टीम को दौरे की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल चोटिल होने के चलते पूरी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह पर ऑलराउंडर डेरिल मिशेल को टीम में शामिल किया गया है। मिशेल टी-20 टीम का पहले से ही हिस्सा थे। हालांकि मिशेल आइसोलेशन पूरा करने के बाद दूसरे मैच से सिलेक्शन के लिए उपलब्ध हो पाएंगे। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाना है। टॉम ब्लंडेल बाई तरफ स्ट्रेन की समस्या होने के चलते सीरीज से बाहर होना पड़ा है।

उनको यह चोट बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में लगी थी और फिजियो के मुताबिक उनको पूरी तरह से फिट होने में समय लगेगा। न्यूजीलैंड के कोच ने उम्मीद जताई है कि विकेटकीपर बल्लेबाज टी-20 सीरीज के लिए उपलब्ध होगा। ब्लंडेल की जगह पर टीम में शामिल किए गए मिशेल ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ अपने वनडे करियर का आगाज किया था और तीसरे मुकाबले में शतकीय पारी खेली थी। न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान के इस दौरे पर अपने नियमित कप्तान केन विलियमसन और कई स्टार खिलाड़ियों के बिना पहुंची है। विलियमसन, टिम साउदी जैसे प्लेयर आईपीएल 2021 में हिस्सा ले रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ तीन वनडे और पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। दोनों टीमों के बीच होने वाली इस वनडे सीरीज में डीआरएस की व्यवस्था नहीं होगी और ना ही यह सीरीज वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा होगी। वनडे सीरीज का पहला मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि दूसरा 19 और सीरीज का आखिरी वनडे 21 सितंबर को खेला जाना है। इसके बाद 25 सितंबर से टी-20 सीरीज का आगाज होगा, जिसका लास्ट मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, टायला ग्लेमिंक टेस्ट-ओडीआई सीरीज आउट

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज टायला ग्लेमिंक फिटनेस कारणों से भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज और एक टेस्ट मैच नहीं खेलेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। जहां तीन मैचों की वनडे और इकलौते टेस्ट के अलावा दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज भी खेली जानी है। मुख्य कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि ग्लेमिंक आने वाले मैचों से बाहर होने वाली अकेली खिलाड़ी हैं। वह टी20 सीरीज में वापसी कर सकती हैं। उन्होंने कहा, टायला को विक्टोरिया में प्रैक्टिस के दौरान चोट लगी है। हम उसकी हालात पर नजर रखे हुए हैं। हमें उसका वर्कलोड मैनेजमेंट सही तरीके से करना होगा। तीन साल पहले ऑस्ट्रेलिया के लिये पहला मैच खेलने वाली ग्लेमिंग दुनिया की सबसे तेज गेंदबाजों में से हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मेगान शट भी अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल रही हैं। ऐसे में एलिसे पेरी को युवा गेंदबाजों का नेतृत्व करना होगा। पहला वनडे 21 सितंबर को मैके में खेला जाएगा। भारतीय टीम के दौरे का अंत 10 अक्टूबर को गोल्ड कोस्ट में तीसरे और आखिरी टी20 से होगा। इकलौता टेस्ट मैच 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच क्वींसलैंड में खेला जाएगा और यह टेस्ट डे-नाइट टेस्ट होगा।

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में फिर हारा यूवेंटस, नेपोली ने 2-1 से दी शिकस्त

रोम (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के टीम छोड़ने के बाद यूवेंटस को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। यूवेंटस की टीम को शनिवार को नेपोली के खिलाफ 1-2 की हार से लगातार दूसरी शिकस्त के साथ सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार है। रोनाल्डो यूवेंटस का साथ छोड़कर एक बार फिर मैनचेस्टर यूनाईटेड से जुड़ गए हैं। यूवेंटस ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत करते हुए 10वें मिनट में ही अल्वारो मोराटा के गोल की बदौलत बढ़त बना ली थी। मातियो पोलिटेनो ने इसके बाद 57वें मिनट में नेपोली को बढ़त दिलाई जबकि कालिदु कोलिबेली ने निर्धारित समय खत्म होने से पांच मिनट पहले गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। रोनाल्डो के टीम का साथ छोड़ने के एक दिन बाद यूवेंटस को एमपोली के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नेपोली के खिलाफ यूवेंटस को उस दिन हार मिली जिस दिन रोनाल्डो ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में यूनाईटेड की ओर से 12साल में पहला मैच खेलते हुए दो गोल दागे और टीम को जीत दिलाई। नेपाली की टीम लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष पर चल रही है। उसने लाजियो, इंटर मिलान, रोमा, एसी मिलान और फायोरेंटिना पर तीन अंक की बढ़त बना रखी है। फायोरेंटिना ने अटलांटा को 2-1 से हराया। फायोरेंटिना की ओर से दुसान व्लाहोविच ने दोनों गोल पेनल्टी पर दागे। अटलांटा की ओर से एकमात्र गोल दुसान जपाटा ने किया। वर्ष 2002 के बाद पहली बार सिरी ए में खेल रही वेनेजिया ने सिरी बी चैंपियन एमपोली को 2-1 से शिकस्त दी।

टी-20 विश्व कप टीम से नजरअंदाज किए जाने पर संजू सैमसन ने तोड़ी चुप्पी, कहा- प्रदर्शन करने पर ही मिलते हैं मौके

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया तो कई ऐसे युवा खिलाड़ी रहे जिनके ऊपर सिलेक्टर्स ने गाज गिराई।

इसी लिस्ट में केरल के बल्लेबाज संजू सैमसन का नाम भी शुमार रहा। टीम इंडिया की टी-20 टीम से लगातार अंदर-बाहर होते रहे सैमसन को वर्ल्ड कप की टीम के लिए नजरअंदाज किया गया। संजू का मानना है कि विश्व कप की टीम में चयन नहीं होने के बाद उनकी लिए चीजें ज्यादा क्लियर हैं और वह आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में बेहतर तरीके से क्रिकेट खेल पाएंगे। संजू सैमसन इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स टीम की अगुवाई कर रहे हैं। एक बातचीत करते हुए केरल के इस बल्लेबाज ने कहा, चीजें मेरे लिए अब ज्यादा क्लियर हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आप टीम में एक क्लियर माइंड से जाएं। आईपीएल शुरू होने पर मेरे दिमाग में सिलेक्शन को लेकर किसी भी तरह का कोई संदेह नहीं होगा। पहली बात तो यह है कि आप आईपीएल में खेल रहे हैं और इंडिया टीम के सिलेक्शन के बारे में सोच रहे हैं, जो कि एक गलत माइंडसेट है। लोग भारतीय टीम में सिलेक्शन और अपनी जगह पक्की करनी की बहुत बातें करते हैं, लेकिन असल में यह बाय प्रोडक्ट है, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो आपको मौके मिलेंगे। संजू सैमसन की कप्तानी में अबतक आईपीएल 2021 में राजस्थान का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और टीम ने 7 मैचों में से सिर्फ 3 में जीत हासिल की है, जबकि 4 में टीम को हार झेलनी पड़ी है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान ने आईपीएल को लेकर आगे कहा, मुझे लगता है कि आईपीएल दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाला टूर्नामेंट है। इसको नोटिस किया जाता है। लोग मेरे बारे में अच्छी बातें करते हैं और कुछ लोग मुझे लेकर दूसरी तरह की बातें भी करते हैं।

चेन्नईः एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने पकड़ी विदेशी मकड़ियों की खेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने विदेश से लाई गई दुर्लभ मकड़ियों की एक बड़ी खेप बरामद किया है। अपनी सूचना के आधार पर चेन्नई एयर कस्टम की टीम ने एक पोस्टल पार्सल की जांच की और इसी दौरान टीम को यह सफलता मिली है। बताया जा रहा है कि यह पार्सल पोलैंड से फॉरेन पोस्ट ऑफिस तक पहुंचा था। यह पार्सल आंध्र प्रदेश के एक वाले एक युवक गजुल्का के पते पर भेजा गया था। इस पार्सल को खोलने पर थरमोकॉल का एक बक्शा मिला। इस बक्शे को कॉटेन और सिल्वर फॉयल से अच्छी तरह लपेटा गया था। जांच के दौरान बक्शे के अंदर जिंदा मकड़े नजर आए। एनिमल क्वारन्टाइन अधिकारियों ने इस मकड़ो की जांच की और कहा कि जिस देश में इस प्रजाति के स्पाइडर पाए जाते हैं उस देश में इस पार्सल को भेज दिया जाना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि इम्पोर्ट करना अवैध हैं और पार्सल पर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रंड का लाइसेंस भी नहीं है।

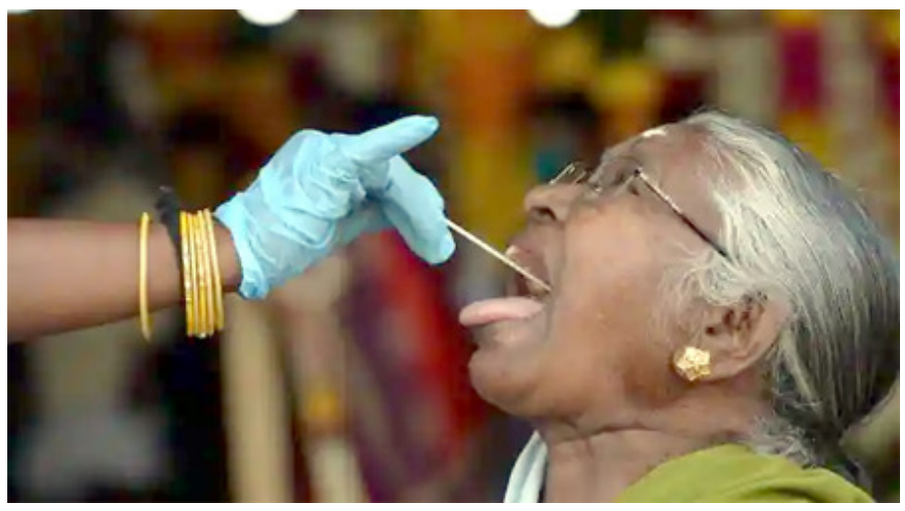

कोरोना से निपटने को सरकार ने बताए 4 मंत्र, केरल समेत 6 राज्यों को बताया चिंता की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों पर पूरी तरह से विराम तो नहीं लग पाया है लेकिन, गिरावट जरूर देखने को मिला है। इस बीच केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए 4 उपाय बताए हैं। इसके साथ-साथ सरकार ने केरल समेत 6 राज्यों के मौजूदा हालात को चिंता जनक बताया है। ये वो राज्य हैं जहां पर कोरोना कभी उपर तो कभी नीचे हो रहा है। आईसीएमआर के डीजी डॉ बलराम भार्गव ने जिन चार उपायों को बताया है उसमें पहला उपाय है वैक्सीन की स्वीकृति, दूसरा है कोविड उपयुक्त व्यवहार को ध्यान में रखना और तीसरा जिम्मेदारी से यात्रा करना वो भी अगर जरूरी हो तब और आखिरी और चौथा उपाय है किसी उत्सव को जिम्मेदारी से मनाना।सरकार ने बताया कि देश में कोरोना वायरस के रिपोर्ट किए गए मामले में से लगभग 68 प्रतिशत केरल से हैं। केरल में अभी भी 199 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं। इसके अलावा पांच राज्य मिजोरम, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र, ये वो राज्य हैं जहां पर कोरोना वायरस के 10000 से अधिक सक्रिय मामले हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि पिछले 11 सप्ताह के लिए विकली पॉजिटिविटी रेट 3 फीसदी से कम है। 64 जिले ऐसे हैं जहां अभी पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से अधिक है। भूषण ने कहा कि इन जिलों में उचित व्यवहार, टीकाकरण, निगरानी पर कड़ाई से नजर रखने की जरूरत है। वहीं, नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा कि मिजोरम चिंता का विषय है। आने वाले 2-3 महीनों में हमें किसी भी तरह के कोविड मामलों में वृद्धि के प्रति सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी से आने वाले महीनों में सावधान रहने का अनुरोध करते हैं। केरल में भी मामलों की संख्या में गिरावट होते हमें खुशी हो रही है।

नितिन गडकरी ने बताया क्यों पत्नी को बताए बिना अपने ससुर के घर पर चलवा दिया था बुलडोजर

सोहना (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अपने काम और साफगोई के लिए जाने जाते हैं। वह कभी मंच से ही अधिकारियों को फटकार लगाते हुए दिखते हैं तो कभी राजनीति से लेकर निजी जीवन तक के मजेदार किस्से सुनाकर लोगों को गुदगुदाते हैं। गडकरी ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में बताया कि कैसे उन्होंने सड़क परियोजना में बाधक बन रहे अपने ससुर का घर भी तोड़ डाला था। नितिन गडकरी ने गुरुवार को देश की राजधानी दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे के निर्माण का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने हरियाणा के सोहना में एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वह किस्सा भी सुनाया जब उनके ससुर का घर सड़क परियोजना में बाधक बन गया था और उन्होंने इस पर बुलडोजर चलवा दिया था।

नितिन गडकरी ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की तारीफ करते हुए अपना किस्सा सुनाया

और कहा, ''आपने जो किया वह मैंने भी किया था। तब मेरी शादी हुई ही थी। मेरे सुसर का घर सड़क के बीच में पड़ रहा था। यह घर रामतेक में था। मैंने पत्नी को बताए बिना ससुर जी के घर पर बुलडोजर चलवा दिया और सड़क का काम पूरा किया।'' गडकरी ने कहा, ''मुझे अधिकारी बता रहे थे कि आपका (राव इंद्रजीत सिंह) भी, भाभी जी का भी घर बीच में आ रहा था तो आपने कहा कि आपको यह तोड़नी होगी और जगह खाली करना होगी, नेताओं को यही करना चाहिए, अतिक्रमण बचाने का पाप नहीं करना चाहिए। गडकरी ने यह भी कहा कि यदि लोग सुविधाएं चाहते हैं तो पैसे देने होंगे।'' उन्होंने ने कहा, ''एसी हॉल में कार्यक्रम करना है तो पैसे देने होंगे। मुफ्त में करना है तो खुले मैदान में भी शादी हो सकती है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे के लिए मंत्रालय का बजट केवल 1 लाख करोड़ रुपए है, जबकि हम 15 लाख करोड़ रुपए की सड़क बना रहे हैं। हम निवेशकों से पैसे ले रहे हैं, तो हमें उन्हें वापस भी देना होगा

कर्नाटक में मंदिर टूटने पर बवाल, बीजेपी सरकार के खिलाफ उतरे वीएचपी और बजरंग दल

मेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसुरु जिले में प्रशासन की ओर से मंदिर तोड़े जाने पर बवाल बढ़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार के खिलाफ वीएचपी और बजरंग दल ने मोर्चा खोल दिया है। नानजानगुड तालुक में महादेवा मंदिर ढहाए जाने का विरोध करते हुए विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शहर में कादरी के पास प्रदर्शन किया और बीजेपी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मंदिर दोबारा बनाने और इसे ध्वस्त करने के लिए जिम्मेदार तहसीलदार और मैसुरु को अडिशनल डीसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वीएचपी के क्षेत्रीय सचिव एमबी पुराणिक ने कहा कि इस प्रदर्शन को चेतावनी के रूप में देखा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने गलती की है, जिसे तुरंत ठीक किया जाए। मंदिर को गिराने का आदेश राज्य के मुख्य सचिव की ओर से जारी किया गया था। आदेश में कहा गया था कि राज्य में अवैध रूप से बनाए गए सभी धार्मिक ढांचों को हटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है।

बीजेपी के मंत्री ने कसा तंज

इच्छाधारी हिंदू हैं राहुल गांधी, अब तो ममता और मायावती के मंच से भी पढ़े जा रहे मंत्र

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के होम मिनिस्टर नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इच्छाधारी हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपनी सुविधा के अनुसार धर्म को ग्रहण करते हैं और छोड़ते रहते हैं। उन्होंने गांधी की तीखी आलोचना करते हुए आगे कहा कि पहले लगता था कि राहुल गांधी बालपन में बोल रहे हैं, लेकिन अब लगता है कि वह देश को, हिंदू धर्म को और आस्था को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते है। इंदौर में ँध् के एक कार्यक्रम में पहुंचे मिश्रा ने कहा कि सभी विपक्षी नेताओं को हिंदू धर्म का प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए धन्यवाद दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं, आम आदमी पार्टी के

प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। ममता बनर्जी दुर्गा मंत्र पढ़ रही हैं और मायावती के मंच से स्वस्तिवाचन हो रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया जाना चाहिये।

राज्य के गृह मंत्री ने दोहराया कि राहुल गांधी इच्छाधारी हिंदू है। यही नहीं बीजेपी नेता ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और सेना पर सवाल उठाने का काम सबसे पहले राहुल गांधी ने किया था। इसके साथ ही वैक्सीन को लेकर उन्होंने भ्रम फैलाया। इन सब बातों का मतलब ये है कि जब भी देश को सम्मान मिलता है, तो राहुल गांधी अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते है। इसके साथ ही गृह मंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि गांधी का मूलपिंड विदेशी है। भाजपा के मंत्री ने यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के द्वारा ट्वीट कर राज्य सरकार के कार्यव्यवहार पर खड़े किए जा रहे प्रश्नों पर चुटकी लेते हुए कहा कि दोनों के बीच ट्वीट करने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने कहा अब इस विषय पर मेरा और अधिक कुछ कहना उचित नहीं है।

पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर के घर-दफ्तर पर ईडी का छापा, सोनियां गांधी की एनएसी का थे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर के नई दिल्ली स्थित घर और दफ्तर पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की। ईडी की छापेमारी ऐसे समय में हुई है जब हर्ष मंदर अपनी पत्नी के साथ जर्मनी गए हुए हैं। हर्ष मंदर सोनिया गांधी के भी करीबी रह चुके हैं और पूर्व की यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सदस्य भी थे। इस परिषद की चेयरमैन खुद सोनिया गांधी थीं। खबरों के मुताबिक, ईडी ने सुबह 8 बजे मंदर के वसंत कुंज स्थित घर और अधचिनी इलाके में उनके दफ्तर पर छापेमारी की।

महरौली में हर्ष मंदर की तरफ से चलाए जा रहे चिल्ड्रेन होम पर भी ईडी छापेमारी की है। हर्ष मंदर गुरुवार तड़के साढ़े 3 बजे के आसपास एक फेलोशिप प्रोग्राम के लिए जर्मनी रवाना हुए थे। जर्मनी की रॉबर्ट बॉश एकेडमी में यह फेलोशिप होनी है।इसी साल

जुलाई माह में नेशनल कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (ण्ड्झ्) ने दिल्ली हाई कोर्ट को यह कहा था कि वह मंदर से जुड़े दो चिल्ड्रेन होम पर कार्रवाई करे। दरअसल, प्रबंधन स्तर पर कई खामियां और उल्लंघन का पता लगने के बाद एनसीपीसीआर ने हाई कोर्ट में यह सिफारिश की थी। एनसीपीसीआर ने जिन उल्लंघनों का जिक्र किया उनमे से एक यह भी था कि बाल गृह में रहने वाले बच्चों को जंतर-मंतर सहित कई प्रदर्शन स्थलों तक पर भी ले जाया जाता था। अक्टूबर 2020 में एनसीपीसीआर ने इन बाल गृहों पर रेड की थी।

यूपी की कानून-व्यवस्था पर अजय लल्लू ने भाजपा को घेरा, बोले- क्या यूपी में हत्या-दुष्कर्म जैसे अपराध भूत-प्रेत कर रहे हैं

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के ताज़ा आंकड़ों को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के मुताबिक हत्या व अपराध के मामले में यूपी लगातार नम्बर एक पर है। आखरि इसके लिए कौन जिम्मेदार है उन्होंने कहा कि यूपी में अपराधियों का बोलबाला है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दो दिन पहले अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री की तारीफ की थी, इन आंकड़ों ने उसकी पोल खोल दी। मोदी ने क़ानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार का जो ढोल पीटा था, एनसीआरबी के आंकड़ों ने उस ढोल की पोल खोल दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार निर्लज्जता की सारी सीमाएं तोड़ते हुए जनता से इकट्ठा किए गए टैक्स का इस्तेमाल इन आंकड़ों को छिपाने का प्रयास कर रही है। भाजपा ने सत्ता में आने के लिए राज्य को

अपराधमुक्त करने का दावा किया था। मुख्यमंत्री ने कई बार कहा कि अपराधी जेल में हैं या राज्य छोड़ गए हैं, ऐसे में उन्हें बताना चाहिए कि अगर राज्य में अपराधी हैं ही नहीं तो क्या यूपी में हत्या-दुष्कर्म जैसे अपराध भूत-प्रेत कर रहे हैं वहीं उन्होंने भाजपा नेताओं को घेरते हुए कहा कि हत्यारों को पुलिस अभिरक्षा से छुड़ाने से लेकर सेक्स रैकेट तक चलाने में भाजपाई पदाधिकारियों के नाम सामने आ चुके हैं। यूपी में भाजपा के 114 विधायक दागी हैं।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के निशाने पर अखिलेश और राहुल गांधी, बोले-रोजा और इफ्तार करने वाले अब कुंभ में डुबकी लगा रहे

हरदोई (एजेंसी)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कहा कि 2022 का चुनाव भाजपा विकास के मुद्दे पर लड़ेगी और जीतेगी। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव देख रोजा-इफ्तार कराने वाले कुंभ में डुबकी लगा रहे हैं।

इतना ही नहीं मंदिर से नजरें चुराने वाले अब मंदिर-मंदिर हाजिरी लगा रहे हैं। उन्होंने हरदोई को 13 सौ करोड़ से अधिक लागत की योजनाओं की सौगात दी। रसखान प्रेक्षागृह में भाजपाइयों को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव रोजा-इफ्तार की पार्टियां किया करते थे, अब कुंभ

में डुबकी लगा रहे हैं। राहुल गांधी पर चुटकी ली। कहा, वह मंदिरों से बच कर निकल जाते थे, लेकिन अब वह शंकराचार्य की तरह बोलते दिखते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है इसलिए वह किसान आंदोलन के नाम पर षड्यंत्र रच रहे हैं। पर उन्हें यह नहीं मालूम है कि यूपी का किसान भाजपा के साथ है। जिस किसान का हक दलाल बीच में लूट लेते थे अब केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का पूरा पैसा अब सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है।पीएम मोदी को विश्व का सबसे शक्तिशाली नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए देश में विकासवादी राजनीति की शुरुआत की। उसी नीति के भरोसे भाजपा ने केंद्र और यूपी में सरकार बनाई। उसी नीति के भरोसे भाजपा प्रदेश में फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों में नौकरी रिश्वत देने वालों को मिलती थी। ठेका लेने के लिए मोटा कमीशन देना होता था, अब यह सब बंद हो चुका है। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी को बढ़ावा देने और लोगों को डराने वाली सरकार अब कभी नहीं आएगी। डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश में 15 सितंबर से गड्ढा मुक्त अभियान शुरू किया गया है। बारिश के कारण अभी काम नहीं दिखाई दे रहा है, जल्द तेजी से काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 60 हजार किलोमीटर सड़कें गड्ढा मुक्त के लिए चिन्हित की गई हैं। डिप्टी सीएम ने मंच से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि डीएम और एसपी स्पष्ट सुन लें, जैसे वह डिप्टी सीएम की बात सुनते हैं वैसे ही कार्यकर्ताओं की बात सुनें।

अल कायदा ने धमकी दी तो तालिबान होगा जिम्मेदार, बोले अमेरिकी विदेश मंत्री- हममे जवाब देने की है क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने चेताया है कि अगर अल कायदा यूनाइटेड स्टेट को धमकी देता है तो इसका जिम्मेदार तालिबान होगा। हाल ही में यूएस सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के अधिकारियों ने आशंका जताई थी कि अफगानिस्तान में अल कायदा की सक्रियता बढ़ गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अगर आतंकवादी संगठन अल कायदा युद्ध ग्रस्त देश से अमेरिका को धमकी देता है तो तालिबान इसके लिए जिम्मेदार होगा। ब्लिंकन ने कहा कि तालिबान ने पहले ही इस बात को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी कि वो अफगानिस्तान की धरती पर किसी को भी इस बात की अनुमति नहीं देगा कि वो अमेरिका या अन्य देश को धमकी दे। ब्लिंकन ने कहा, 'तालिबान ने प्रतिबद्धता

जताई है कि वो अफगानिस्तान को अल कायदा और आईएसआईएस-के जैसे खूंखार आतंकवादी संगठनों का पनाहगाह नहीं बनने देगा ताकि वो यूनाइटेड स्टेट्स औ उसके सहयोगियों को धमकी दे सकें। उन्हें इस बात की जिम्मेदारी निभानी होगी। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें उनपर भरोसा है। हम खुद निगरानी करने की कोशिश करेंगे। हममें ऐसी धमकियों का जवाब देने की क्षमता है। जरुरी पड़ी तो हम वो भी इन धमकियों का जवाब भी देंगे।इससे पहले बुधवार को सीआईए की तरफ से कहा गया था कि उन्हें ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अल कायदा एक बार फिर खुद को मजबूत करने में जुटा हुआ है। खुफिया एजेंसी के उप निदेशक डेविक कोहन ने कहा था कि हाल में मिली खुफिया जानकारियों से पता चला है कि अल कायदा की गतिविधियां अफगानिस्तान में शुरू हो गई हैं। अमेरिकी खुफिया विभाग हालात पर बारिकी से नजर रख रहा है। अफगानिस्तान में अल कायदा की मौजूदगी की वजह से ही साल 2001 में यूनाइटेड स्टेट्स के सुरक्षा बल उसके खात्मे के लिए वहां पहुंचे थे। लेकिन तालिबान के अफगानिस्तान में सरकार बनाने के बाद आशंका है कि अब अल कायदा एक बार फिर से इस देश में वापसी कर सकता है। कहा जाता है कि 1990 और 2000 के बीच ओसामा बिन लादेन के नेतृत्व में अल कायदा ने तालिबान के साथ मिलकर काम किया था।

अमेरिकी डिप्लोमैट ने बताया कि 15 अगस्त से ठीक पहले काबुल में क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान के साथ बातचीत के प्रभारी अमेरिकी राजनयिक जाल्मय खलीलजाद ने बताया है कि काबुल को कट्टर इस्लाम को मानने वालों के हाथों से दूर रखने और राजनीतिक परिवर्तन को लेकर तालिबान के साथ अंतिम समय में समझौता किया गया था। उन्होंने बताया कि गनी को तब तक पद पर बने रहना था जब तक कि दोहा में नए सरकार को लेकर समझौता न हो जाता। लेकिन 15 अगस्त को गनी के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद तलिबान के काबुल पर कब्जा करना और आसान हो गया। खलीलजाद ने बताया कि अंत तक भी हमने तालिबान से काबुल में नहीं आने को लेकर समझौता किया था।

तालिबान के लिए ब्लैकमेलिंग पर उतरा पाकिस्तान, अलकायदा और इस्लामिक स्टेट का दिखाया डर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान राज को दुनिया से मान्यता दिलाने के लिए पाकिस्तान ने पूरी ताकत झोंक दी है। खुद तालिबान के नेता इतनी जल्दबाजी में नहीं है, जितनी बेचैनी में इमरान खान और उनकी सरकार है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने कहा है कि दुनिया को 'वेट एंट वॉच' की पॉलिसी नहीं अपनानी चाहिए। उन्होंने इससे अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाने और आतंकवाद का खतरा बढ़ जाने का डर दिखाया है।तालिबान ने मध्य अगस्त में पश्चिमी देशों की समर्थित निर्वाचित सरकार को बाहर करके अफगानिस्तान पर कब्जा जमा लिया। तालिबान की ओर से घोषित अंतरिम सरकार में कई खूंखार आतंकी भी शामिल हैं। भारत सहित

दुनिया के अधिकतर देशों ने अफगानिस्तान को 'वेट एंच वॉच' की पॉलिसी अपनाई है और तालिबान को अभी मान्यता देने के मूड में नहीं हैं। सभी बड़े देशों ने कहा है कि वह तालिबान सरकार की मानवाधिकार और महिलाओं के प्रति रवैये को देखने के बाद ही फैसला लेंगे। हालांकि, पाकिस्तान में प्रधानमंत्री, मंत्री और सेना तालिबान के दूत, प्रवक्ता और वकील के रूप में काम कर रहे हैं। यूसुफ ने कहा, ''इंतजार करो और देखो (अफगानिस्तान में नए निजाम के प्रति) का मतलब होगा बर्बादी।'' उन्होंने यह भी कहा कि 1990 के दशक में भी यही गलती की गई थी। पश्चिमी नेताओं ने अपनी गलती को माना और इसे ना दोहराने की बात कही थी।